QUARTERLY PROGRESS REPORT

April to June 2008

Integated Nutrition and Health Project

[INHP - III]

Community Development Centre

Rights with Dignity

Bhatera Chouky, Balaghat M.P.
481 001 India

p: +91 9425822228

f: +91 7632 243841

e: cdcindia@rediffmail.com

INDEX

Interview with DPO NRHM

Project Area Details

Block Level Activities

Model Cluster Approach

Advocacy on Nutrition & Health Issues

SOW of Project Staff

Quarterly NHD Observation

Behavior Trands

Success - Case Stories

Challenges Expectation

Annexure

INHP Project Location and CDC's Project Office in Balaghat district

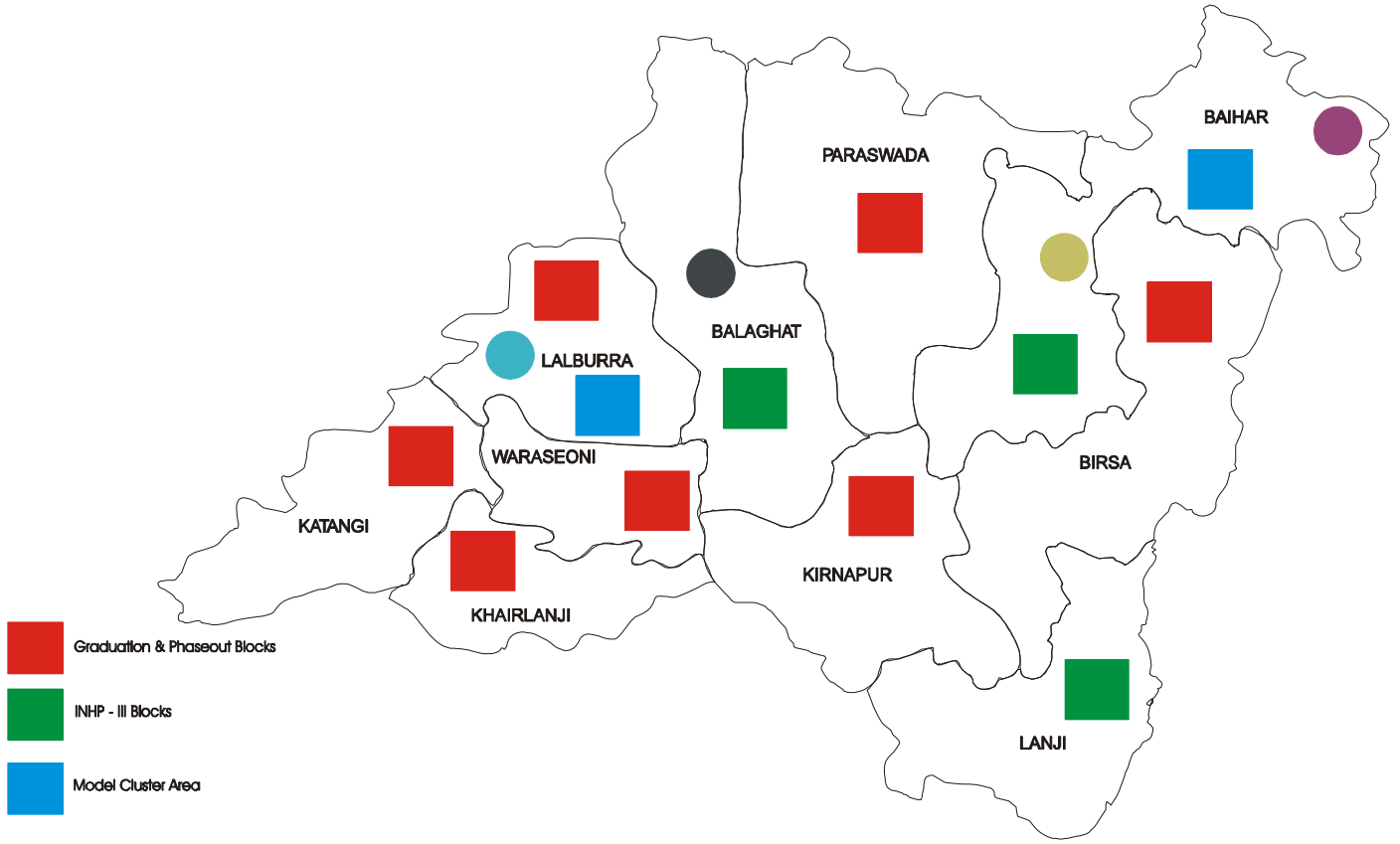

	बैहर	बालाघाट	लांजी
विकासखंड स्तरीय बैठक	• सभी सेक्टर में टीकाकरण स्तर के साथ टीकाकरण से छूटे हुए केन्द्रों की समीक्षा करना । • अभियान के दौरान पूर्ण टीकाकरण विटामिन ए दवाओं की उपलब्धता की समीक्षा । • कुकर्रा एवं गढ़ी के छूटे केन्द्रों पर टीकाकरण कार्य हेतु ए.एन.एम. /एम.पी.डब्ल्यू. को विशेष रूप से उन केन्द्रों पर जिम्मेदारी दी जाए ए.एन.एम. पदस्थ नही हैं । • अभियान हेतु संयुक्त कार्ययोजना में बाल संजीवनी संबधित जानकारी एवं विटा.स्वास्थ्य संबंधित सत्र का आयोजन हेतु सुझाव । • कुपोषित बच्चों के लिए शासन से संचालित योजनाओं का प्रचार प्रसार करने मुद्दा पर चर्चा । • सचिव/सरपंच एवं नोडल अधिकारी द्वारा किए गये आ.केन्द्र भ्रमण अनुभव को परियोजना अधिकारी के साथ चर्चा ।	• सेक्टर स्तर पर संयुक्त बैठक का आयोजन । • बालसंजीवनी अभियान में सभी केन्द्रो पर प्रर्याप्त दवाएँ एवं विटामिन के साथ सम्पूर्ण टीका उपलब्ध हो । • अभियान के पूर्व स्थानीय स्तर पर कार्यकर्ता समय का निर्धारण स्वयं कर अभियान में हितग्राही की उपस्थिति सुनिश्चित करे । • स्वास्थ्य कर्मचारी द्वारा अभियान में समय पर उपस्थिति सुनिश्चित हो • कुछ केन्द्रो पर जिसमें रोशना डोगरबोडी तिलपेवाड़ा नाहरवानी, केशलेवाड़ा में ए.एन.एम. द्वारा समय पर नही आने/विटामिन 'ए' अन्य आशा/सहायिका द्वारा पिलाये जाने का मुद्दा रखा गया । • टीकाकरण कार्ड एवं कुछ जगह टी. एफ. विजिट की कमी । • आई.सी.डी.एस. हेल्थ पर्यवेक्षक संयुक्त भ्रमण/ग्रहभेंट करें/ताकि हितग्राही के सेवा एवं व्यवहारों की समीक्षा की जा सके। • खण्ड स्तर पर 100 प्रतिशत कुपोषण मुक्त ग्राम बनाने हेतु एक एक ग्राम का चयन/नेवेगॉव जवेरा, चनेवाड़ा लोहारा, भालेवाडा, धनसुआ का किया गया । • एन.एच.डी दिवस के दौरान सभी सेवा प्रदाताओं ए.एन.एम./ए.डब्ल्यू. डब्ल्यू. द्वारा स्वास्थ्य शिक्षा सत्र अनिवार्यता एवं गुणवत्ता पूर्ण दिया जाए । • सेक्टर स्तर पर दोनों विभाग के पर्यवेक्षण व्यवहारों के साथ सभी कार्यकर्ता के भ्रमण कार्ययोजना की समीक्षा करे ।	• ग्रामवार आशा कार्यकर्ता के द्वारा वार्ड पंच महिला के साथ ग्राम स्वच्छता हेतु कार्य किया जा रहा हैं। • खण्ड स्तर पर ए.एन.एम. को निर्देश दिए गये । जिसमें सभी अपने कार्यक्षेत्र भ्रमण के दौरान पंचायत प्रतिनिधि से चर्चा करे । • अनुविभागीय अधिकारी द्वारा ग्रामसभा के दौरान स्वास्थ्य कार्यकर्ता को उपस्थित होकर चर्चा करने निर्देश दिए गये । • संयुक्त भ्रमण के दौरान कुपोषित बच्चे एवं खतरे वाली माता के घरो पर भ्रमण किया जा रहा हैं। • तृतीय रविवार को बाल शक्ति शिविर के आयोजन में कुपोषित बच्चो की जॉच कराई जा रही हैं। • सभी नए संचालित आगनबाड़ी केन्द्रो पर रोस्टर बनाकर एन.एच.डी. में जोडा गया । • कुछ आगनबाडी केन्द्रो पर अतिरिक्त दिवस पर टीकाकरण सुनिश्चित किया गया जहॉ उपस्वास्थ्य केन्द्र पर अधिक गॉव हैं।

	बैहर	बालाघाट	लांजी
विकासखंड स्तरीय बैठक		प्रमुख निर्णय/प्रभाव :– • नियमित संयुक्त बैठक की तिथि निश्चित कर यह सेक्टर स्तर पर प्रतिमाह आयोजित की जा रही है। • बाल संजीवनी अभियान में अधिकांश स्थानों पर स्वास्थ्य कर्मचारी की समय पर उपस्थिति रही एवं पूरे समय उपस्थिति दी गई । • लगातार प्रयास करने पर पोषण स्वास्थ्य दिवस पर सेवाओं के स्तर में सुधार आया हैं ए.एन.एम. द्वारा रोस्टर आधार पर टीकाकरण एवं एक ही जगह आयोजित कर एन.एच.डी. पूरा किया गया । • बी.एल.ए.सी. में लिये निर्णय के अनुसार कुछ केन्द्रों पर अन्य दिवस पर टीकाकरण किया गया एवं कुछ ऐसे नए केन्द्रो को रोस्टर में जोड़ा जा रहा है। • ए.एन.एम. द्वारा 05 उपस्वास्थ्य केन्द्र की सभी आंगनवाडी में स्वयं का बी.पी. ले जाकर बी.पी. लिया जा रहा हैं जो अच्छा प्रयास हैं । • सेक्टर पर्यवेक्षक एल.एच.वी. भरवेली, लामता में सभी स्वास्थ्य कर्ता को बी.पी. लेना सिखाया गया । • सभी केन्द्रो पर आई.सी.डी.एस. द्वारा प्रदाय मात्र शिशु रक्षा कार्ड मो टीकाकरण पर प्रयोग किया जा रहा हैं जिसे प्राथमिकता से भरा जाने के लिए बी.एल.ए.सी. में समीक्षा की गई । • सेक्टर स्तरीय बैठक में आ. केन्द्र पर किए जाने वाले संयुक्त भ्रमण की कार्ययोजना बनाई जाती हैं । • हमारे द्वारा निकाले गए एस.ओ.डब्ल्यू.टी. के आधार पर प्रमुख व्यवहार एवं सेवी के द्वारा टी.एफ.ए./स्तनपान उपरी आहार में प्रतिशत की समीक्षा को देखते हुए इसे ग्राम स्तर पर स्वास्थ्य कार्यकर्ता सुधारने कार्य कर रहे हैं । • बी.एल.ए.सी. में लिए निर्णय के अनुसार ए.एन.एम./ए.डब्ल्यू.डब्ल्यू. द्वारा सभी हितग्राही को समय पर सभी सेवाऍं प्रदान करेंगें जिसकी एक समीक्षा कराई जायेगी । • विकास खण्ड स्तर पर प्रतिमाह सामान्य ग्रेड के बच्चो के प्रतिशत की समीक्षा की गई । • बी.एम.ओ. द्वारा प्रतिमाह बी.एल.ए.सी. के आयोजन हेतु प्रयास किया गया । • ब्लाक स्तर पर कुपोषित बच्चों के लिए मुस्कान शिविर आयोजित किया गया जिसमें सभी बच्चे की जॉच दवा वितरण किया गया ।	

	बैहर	बालाघाट	लांजी
सेक्टर स्तरीय प्रयास	• आ.केन्द्रों का समय पर संचालन हो। • बाल संजीवनी अभियान के दौरान केन्द्र भ्रमण अनुभव। • रिकार्ड अघतन पर सभी पर्यवेक्षक के साथ अनुभव/चर्चा • महत्वपूर्ण ग्रहभेट की समीक्षा एवं कार्ययोजना । • आ.केन्द्रो में बच्चों की उपस्थिती की समीक्षा • ग्रेडिंग के आधार पर 9 बिन्दूओं की ग्रेडवार समीक्षा । • अभियान के दौरान विधि प्रदर्शन एवं वजन तालिका उपयोग की समीक्षा • आ.केन्द्र पर कीचन गार्डन के साथ विधि प्रदर्शन का आयोजन करना ।	• सेक्टर स्तर पर नियमित संयुक्त बैठक का आयोजन । • बेठको में आयोजन में व्यवहारो की समीक्षा के लिए शिक्षा सत्र का आयोजन । • केन्द्रो पर संयुक्त भ्रमण सुनिश्चित होना साथ ही ग्रहभेट के दौरान हितग्राही से चर्चा के प्रमुख बिन्दू/महत्वपूर्ण समय पर ग्रहभेट । • एन.एच.डी. आयोजन पर ए.एन.एम. का सही समय पर सभी टीका के साथ उपस्थिति । • आ.केन्द्र पर मात्र सहोगनी समिति की सक्रियता बढाने/भागीदारी के विषय पर चर्चा । • केन्द्र स्तर पर कीचन गार्डन एवं आहारकीट का प्रदर्शन । • नियमित किए गये भ्रमण के अनुभव के आधार पर केन्द्रो पर सुधार की समीक्षा । • पर्यवेक्षण द्वारा भ्रमण किए केन्द्रो की ग्रेडिंग समीक्षा । • सभी केन्द्रो पर '' ग्रेडिंग के आधार पर कार्य सुधार करना । प्रभाव • सभी सेक्टरो पर नियमित संयुक्त बैठक का आयोजन किया गया । • बैठको के दौरान शिक्षा सत्र के साथ तकनीकि स्वास्थ्य/व्यवहारो पर समक्ष बनाने समीक्षा चर्चा की जाती हैं । • बैठको के दौरान आ. केन्द्रो के भ्रमण अनुभव को प्राथमिकता से सभी के साथ इसकी चर्चा की जाती हैं। • हट्टा सेक्टर में अभियान के दौरान वीटामिन की कमी थी जहॉ भ्रमण के बाद सेक्टर में मुद्दा रखकर सभी ऐसे केन्द्रो पर ए.एन.एम को विटामिन पिलाने निर्देश दिया गया । • परियोजना अधिकारी के निर्देश के बाद मंगल कार्यक्रम में मात्र सहोगनी समिति एवं पंचायत प्रतिनिधि को आमत्रित किया जा रहा हैं । • परियोजना अधिकारी संस्था स्टॉफ के भ्रमण को केद्रों में बच्चों की संख्या और उपस्थिति बढ़ाने के लिए आधार बनाते हैं।	• टीकाकरण हेतु लक्ष्य निकालकर आगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं आशा कार्यकर्ता सभी हितग्राही तक पहुच सके । • सभी केन्द्रो पर बी.पी. सुनिश्चित हो सके । • सेक्टर स्तर पर संयुक्त बैठक का आयोजन निश्चित हो । • आगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं ए.एन.एम. संयुक्त भ्रमण किया जाए । • संयुक्त बैठक के दौरान प्डत / कुपोषण स्तर के साथ व्यवहारो की समीक्षा किया जाए • संस्थागत प्रसव बढाने ए.एन.एम. द्वारा पंचायत बैठक एवं ग्रामसभा में उपस्थित होकर चर्चा करे । • ब्लाक स्तर पर बी.एल.ए.सी. आयोजन की तिथि एवं सभी की उपस्थिति सुनिश्चित हो • टीकाकरण दिवस पर शिक्षा सत्र एवं टी.टी का उपलब्धता ए.एन.एम. द्वारा सुनिश्चत किया जाए । प्रभाव • ब्लाक स्तर पर सभी किशोरी बालिकाओं का टी.टी. लगाया जायेगा । जो कि आपुर्ति कम होने से छुट गये थे । • सेक्टर स्तर पर प्रतिमाह संयुक्त बैठक का आयोजन किया जा रहा हैं जिसकी समीक्षा ब्लाक स्तर पर सी. डी.पी.ओ. एवं बी.एम.ओ. द्वारा की जा रही हैं । • ब्लाक के 60 प्रतिशत आगनबाड़ी केन्द्रों पर ए.एन.एम. द्वारा संयुक्त भ्रमण किया जा रहा है । • एन.एच.डी. के दौरान स्वास्थ्य कार्यकर्ता द्वारा सत्र का आयोजन किया जा रहा हैं • पहली बार बाल संजीवनी में विटामिन 'ए' सभी जगह पर ए.एन.एम. द्वारा ही पिलाया गया । • बैठक के दौरान बी.एम.ओ. द्वारा स्वास्थ्य व्यवहारो पर तकनीकि जानकारी दी जा रही हैं ।

	बैहर	बालाघाट	लांजी
सेक्टर स्तरीय प्रयास और प्रभाव		• केयर कार्यक्रम अधिकारी द्वारा हट्टा सेक्टर में दिए सुझाव में महत्वपूर्ण समय पर ग्रहभेट एवं उसका प्रभाव, मंगलदिवस पर दी जाने वाली प्रमुख जानकारी एम.पी.आर. में सुधार के संबंध में परियोजना अधिकारी द्वारा समस्त पर्यवेक्षक के साथ एम.पी.आर. की समीक्षा एवं गृहभेट गुणवत्ता पूर्ण करने निर्देश दिए । • समनापुर सेक्टर में टीकाकरण का अच्छा प्रतिशत हैं परन्तु ए.एन.एम. मिर्जा द्वारा एन.एच.डी. में पर्याप्त समय नही देने, टीकाकरण में कमी को देखते हुए बी. एम.ओ. द्वारा स्वयं निगरानी की जा रही हैं। • नवेगॉव सेक्टर के बोदा में एम.एस.एस. के सदस्यो की मंगलदिवस पर सक्रिय भागीदारी देखी गई। • साथ ही नवेगॉव सेक्टर के खैरी ग्राम में एम.एस.एस. सदस्यो द्वारा हितग्राही को स्वास्थ्य व्यवहार की जानकारी एवं कार्यकर्ता के साथ संयुक्त भ्रमण करते है। • नवेगॉव सेक्टर बैठक के दौरान पर्यवेक्षक द्वारा प्रपत्र का प्रयोग किया जाता हैं एवं मांग पत्र व रिकार्ड की स्थिति में तेजी से सुधार आया हैं । • भरवेली लामता हट्टा, सेक्टर स्तरीय बैठक के दौरान पर्यवेक्षक एवं ब्लाक समन्वय द्वारा कुछ अच्छे प्रयासो पर चर्चा कर ऐसे आ.कार्यकर्ता को प्रोत्साहित किया जाता हैं ।	• बी.एम.ओ. द्वारा कुछ केन्द्रो पर हितग्राही गर्भवति को पर्याप्त आहार न मिलने एवं उपस्थिति में कमी को देखते हुए ए.एन.एम. को इसके प्रयास करने कहॉ गया। • अभियान के दौरान सभी कार्यकर्ता द्वारा सेवाएं गुणात्मक स्तर पर दी गई जिसमें सही वजन, रिकार्ड अपडेशन एवं विधि प्रदर्शन किया । • सभी कार्यकर्ता टीकाकरण से पूर्व लक्ष्य के आधार पर मांग पत्र का प्रयोग करेंगें जो कि 30 प्रतिशत केन्द्रो पर दिया गया । • बाल संजीवनी अभियान में 55 प्रतिशत आगनबाड़ी केन्द्रो पर विधि प्रदर्शन का आयोजन सुनिश्चित हो पाया। • प्रतिमाह पर्यवेक्षक द्वारा केन्द्रो का भ्रमण किया गया जिसमें रिकार्ड ग्रहभेट एन.एच.डी. के साथ व्यवहारो की समीक्षा की गई। • हितग्राही के पास सभी केन्द्रो पर मात्र शिशु रक्षा कार्ड उपलब्ध कराया जा रहा हैं • कमजोर सेक्टर का चयन कर ग्रेडिंग आधार पर विधि प्रदर्शन किया जा रहा हैं। • ब्लाक के 02 आगनबाड़ी केन्द्र चिचोली एवं दिघोरी (बहेला, पालडोंगरी) में मार्च 07 से 08 अप्रैल तक हुए सभी प्रसव संस्थागत हुए। • महिला बालविकास विभाग द्वारा अभियान में दलवार कार्ययोजना बनाकर किया गया। • आगनबाड़ी केन्द्रो पर नारे लेखन, मंगल दिवस एवं मीनू चार्ट के आधार पर पोषण आहार की जानकारी केन्द्रो पर गॉवो में लिखी गई। • ब्लाक मेडिकल आफीसर आई.सी.डी.एस. को कुछ केन्द्रो पर ए.एन.सी./टीकाकरण में आई समस्या को लेकर पत्र लिखकर अवगत कराने से सेवाओं में गुणात्मक सुधार हो पाया है।

	बैहर	बालाघाट	लांजी
अन्य समस्याओं के साथ समन्वय	नारी उत्थान/वैशाली संस्था/कम्युनिटी डेवल्पमेन्ट सेन्टर (सी.डी.सी) • मेढकी में आयोजित शिविर क्षेत्र में एस.एच.जी. समुह एवं एम.एस.एस. के सदस्यों की उपस्थिति में जिला कलेक्टर द्वारा पोषण स्वास्थ्य संबंधि योजना की जानकारी/समीक्षा की गई । • वैशाली संस्था एवं नारी उत्थान संस्था के कार्यक्रम में जुडकर उनके कार्यकर्ता एवं एस.एच.जी. समुह के सदस्यों को जानकारी दी गई । • पलास महिला सब (फैडरेशन) के साथ बैठक कर संस्था के कार्यकर्ता के साथ एक कार्ययोजना बनाई जिसमें समुह की महिलाओं गॉवो में हितग्राही गर्भवती महिला को आ.केन्द्र जाने उपरी आहार पोषण आहार लेने पेंरित करेंगें ।		वाटरशेड कमेटी लांजी • स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम में सहयोगी उपस्थिति दी गई । • स्वःसहायता समूह एवं वाटरशेड कमेटी के साथ बैठक की गई। • कृति यात्रा के दौरान कुछ जगह संस्था द्वारा पोषण स्वास्थ्य पर जानकारी दी गई। क्षेत्रीय प्रसार निदेशालय • राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के द्वारा गावो में नुक्कड नाटक संगोष्ठी फिल्म शो किया गया जिसमें हमारे द्वारा ऐसे कार्यक्रम शिक्षा सत्र का आयोजन किया गया जिसमें इस कार्यक्रम के प्रभावो को समुदाय के साथ चर्चा की जा सके सदभावना शिविर सायर • जिला कलेक्टर एवं एन.आर.एच.एम. के द्वारा सदभावना शिविर का आयोजन किया गया जिसमें हमारे द्वारा स्वास्थ्य शिक्षा सत्र एवं विधि प्रदर्शन किया गया जिस दौरान कलेक्टर महोदय द्वारा अपने में समुदाय से पोषण/स्वास्थ्य पर आ.केन्द्र की गतिविधि पर प्रश्नोत्तरी के माध्यम से समीक्षा की गई ।

	बैहर	बालाघाट	लांजी
आंगनवाडी केंद्र भ्रमण के अनुभव	• आ.केन्द्र पर रिकार्ड अघतन किया जा रहा हैं जिसमें कुकर्रा आमगॉव, बैहर, में सुधार आया। • आ.केन्द्रो पर विधि प्रदर्शन कर बताना शुरू किया जा रहा हैं। • सभी ग्रेड के बच्चे प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ, के लिए माता को बुलाकर विधि प्रदर्शन करने कार्ययोजना बनाई जा रही हैं। • केन्द्रों पर आहार किट लगाया जा रहा हैं । • गढ़ी प्रथम, द्वितीय में प्रसव कीट की तैयारी हितग्राही द्वारा की गई । • ऑगनवाडी कार्यकर्ता द्वारा महत्वपूर्ण समय पर ग्रहभेट नही किये जाने घ्रर भ्रमण के दौरान इस पर कार्य किया गया। • भण्डेरी, बिठली, के कुछ केन्द्रों पर वृद्धि चार्ट सही तरह से ग्रेड अंकित नही किया गया था जिस पर सुझाव दिया गया । • ''सी'' ग्रेड के केन्द्रो पर ब्लाक समन्वयक एवं पर्यवेक्षक द्वारा भ्रमण किया गया । • परियोजना अधिकारी द्वारा भ्रमण के दौरान केन्द्रो का ग्रेड एवं मंगल कार्यक्रम की समीक्षा की गई।	• सी.डी.पी.ओ. द्वारा बाल संजीवनी अभियान के दौरान विशेष रूप से केन्द्रों का भ्रमण किया गया। • पर्यवेक्षक द्वारा प्रति माह कार्ययोजना बनाकर भ्रमण किया जा रहा हैं । • भ्रमण केन्द्रो पर समय पर संचालन एन.एच.डी. का आकयोजन एवं मंगल दिवस कार्यक्रम किया गया। • सेक्टर स्तर पर हट्टा, भरवेली, नवेगॉव, के केन्द्रो पर रिकार्ड की स्थिति अच्छी देंखी गई। • भरवेली, नवेगॉव, चागोटोला, सेक्टर की आ. केन्द्रो पर आई.ई0सी0 का प्रदर्शन किया गया। • लगातार प्रयास करने से केन्द्र पर आई.ई.सी. का प्रदर्शन बेहतर हुआ जिसमें हितग्राही को इसके माध्यम से बताया जाता हैं । • सभी केन्द्रो पर ए.एन.सी. आई.ई.ए. दिया गया। जिसमें हितग्राही को समझाईश दी जा रही हैं । • आ.कार्यकर्ता द्वारा ग्रहभेट एवं ग्रहभेट में रिकार्ड भरा जा रहा हैं ।	• (पालडोंगरी, भानेगॉव, लांजी, ककोड़ी कारंजा, सेक्टर में सभी आ.केन्द्रों पर रिकार्ड की स्थिति अच्छी अपडेट देखी गई । • बालसंजीवनी अभियान के दौरान सभी बच्चो को वीटामिन दवा पिलाई गई । • सेक्टरो में सभी आ.केन्द्र एवं कुछ नए केन्द्रों को जोडकर एन.एच.डी. रोस्टर आधार पर किया जा रहा हैं । • उप स्वास्थ्य केन्द्र स्तर पर मांग पत्र का उपयोग किया जा रहा हैं जिसमें लक्ष्य के आधार पर सभी हितग्राही को टीकाकरण हुआ। • बहेला, भानेगॉव के कई आ.केन्द्रो पर संस्थागत प्रसव की अच्छी प्रगति स्तर है । • सभी आ.केन्द्रो पर मंगल दिवस का आयोजन किया जा रहाहै । • आशा कार्यकर्ता द्वारा टीकाकरण के अलावा भी पोषण स्तर कम करने ग्रहभेट आदि में सहयोग किया जा रहा हैं ।

	बैहर	बालाघाट	लांजी
आंगनवाडी केंद्र भ्रमण के अनुभव	• सभी आगनबाडी केन्द्रों पर बाल संजीवनी कार्ययोजना के आधार पर 97 प्रतिशत केन्द्रो पर अभियान पूर्ण किया गया । • पहली बार अभियान के दौरान 90 प्रतिशत केन्द्रो पर वीटामिन सिर्फ ए.एन.एम द्वारा पिलाया गया। • टी.टी. के टीका का कमी होने पर कुछ केन्द्रो पर ए.एन.एम. द्वारा बाहर से खरीदकर लगया गया । • बी.एम.ओ. द्वारा सभी स्वास्थ्य कार्यकर्ता को टी. टी. टीका खरीद कर लगाने के निर्देश दिये गये। • कुकर्रा, गढ़ी प्रथम, द्वितीय में छुटे हुए केन्द्रो पर बी.एम.ओ. द्वारा केचअप राउण्ड चलाकर टीकाकरण / पूर्ण करने का प्रयास किया गया। • कुकर्रा/गढी सेक्टर में ए.एन.सी. चेक करने रोस्टर बनाने का कार्य किया जा रहा हैं । • संयुक्त बेठक में स्वास्थ्य कर्मचारी की उपस्थिति (एम.पी.डब्लयू) नही होने पर बी.एम. ओ. द्वारा स्पष्टीकरण लिया गया । • सेक्टर पर्यवेक्षक को सी.डी.पी.ओ. द्वारा एम.एस. एस. को सक्रिय करने एवं सहयोग के लिए प्रोत्साहित करने निर्देश दिए । • सी.डी.पी.ओ. द्वारा स्वयं भ्रमण किये केन्द्रों पर कार्यकर्ता की लापरवही, केन्द्र का बन्द रहना, संचालन संबंधी समस्या को लेकर ऐसे केन्द्रों पर स्पष्टीकरण दिया गया	• नवेगॉव लामता समनापुर सेक्टर में केन्द्रों पर ग्रेडिंग सुधार देखा गया । जिसमें रिकार्ड अपडेसन एवं समुदाय की उपस्थिति रही । • लामता, नवेगॉव, हट्टा, सेक्टर में संयुक्त भ्रमण उपस्वास्थ्य केन्द्र के साथ अन्य केन्द्रों पर भी किया जा रहा हैं। • आ.कार्यकर्ता से चर्चा के दौरान पाया गया कि स्वास्थ्य व्यवहारो पर तकनीकि जानकारी का स्तर बढ़ा हैं जिसमें हितग्राही से चर्चा एवं समस्या का समाधान उचित परामर्श कार्यकर्ता द्वारा दिया गया । • नवेगॉव, भरवेली, चांगोटोला की आ.कार्यकर्ता के क्षमता विकास हुआ हैं जिसका उदाहरण कि इनके द्वारा पंचायत बैठक एवं ग्राम सभा में उपस्थिति होकर कुपोषण पर पंचायत की एवं समझ/स्पष्ट जानकारी दी गई।	• पूर्व की अपेक्षा उप स्वास्थ्य केन्द्रों पर आयरण की उपलबधता वितरण में सुधार आया हैं । • (एम.एस.एस.) मात्र सहयोगनी समिति द्वारा मंगल दिवस पर सक्रिय सहयोग संचालन आयोजन में उपस्थिति एवं मदद् की जा रही हैं । • वर्तमान में टीकाकरण 90 प्रतिशत हो चुका हैं। जिसमें ड्राप में कमी आई हैं। • नई संचालित आ. कार्यकर्ताओं को जीवन की आशा उपलब्ध कराई गई। • आंगनवाडी केन्द्र ग्रेडिंग के बाद कुछ केन्द्रो पर सामान्य के स्तर में 10 प्रतिशत से अधिक वृद्धि देखी गई।

	बैहर	बालाघाट	लांजी
विभागीय समन्वय महिला एवं बाल विकास विभाग	• सभी सेक्टरो पर गंभीर कुपोषित बच्चो के लिए अनिवार्यतः विधि प्रदर्शन • सेक्टर स्तर पर प्रतिमाह क्षमता विकास हेतु सत्र रिकार्ड अघतन करना । • ग्रहभेट रजिस्टर अपडेसन एवं महत्वपूर्ण समय पर ग्रहभेट • एन.एच.डी. का गुणवत्ता पूर्ण आयोजन केन्द्रो पर एम.एस.एस. के साथ पंचायत सदस्यों की उपस्थिति हैं ।	• केन्द्र भ्रमण में अनुभव के आधार पर पुनः इन केन्द्रो पर निगरानी केन्द्र भ्रमण/पर्यवेक्षक द्वारा किया जा रहा हैं । • भ्रमण/केन्द्रो के व्यवहारो की समीक्षा एवं उपरी आहार गुणवत्ता को गंभीरता से लेते हुए अन्नप्राशन के दिन विधि प्रदर्शन आहार किट को ब्लाक स्तर पर बनाने परियोजना अधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया । • परियोजना अधिकारी द्वारा सभी पर्यवेक्षक का मासिक भ्रमण कार्ययोजना बनाकर सुनिश्चित किया गया । • पर्यवेक्षक द्वारा भ्रमण के दौरान रिकार्डो की समीक्षा ग्रहभेट करने परियोजना अधिकारी द्वारा सुनिश्चित कर निगरानी की जा रही हैं । • सभी आ.कार्यकर्ता को ग्रामसभा में जाकर पोषण स्वास्थ्य पर चर्चा हेतु पत्र दिया गया । • केन्द्रो पर बच्चो की उपस्थिति एवं केन्द्र के संचालक को लेकर कार्यकर्ता अधिकारी पर्यवेक्षक के भ्रमण अनुभव के आधार पर कार्यकर्ता को स्पष्टीकरण देकर सुधार का प्रयास किा जा रहा हैं । • परियोजना अधिकारी द्वारा स्वयं सेक्टर स्तरीय बैठक में उपस्थित होकर समीक्षा प्रांरभ की गई ।	

	बैहर	बालाघाट	लांजी
स्वास्थ्य विभाग	• सेक्टर स्तर पर संयुक्त बैठक का आयोजन नियमित हो सके । • गढी सेक्टर पर संयुक्त बैठक में स्वा. कर्मचारी की अनुपस्थिती • कुकर्रा, प्रथम, द्वितीय, के एल.एच.वी एवं ए. एन.एम. को छुटे एवं अलन, पिपरटोला में अभियान के दौरान टीकाकरण नही होने पर चर्चा । • बिठली, भण्डेरी द्वितीय सेक्टर के संस्थागत प्रसव का प्रतिशत कम हैं । जिस पर विशेष रणनीति बनाना • एन.एच.डी. के दौरान ए.एन.एम.द्वारा शिक्षा सत्र का आयोजन • सभी केन्द्रों पर बी.पी.एच.बी टेस्ट सुनिश्चित कराना ।	• बी.एम.ओ. द्वारा सभी ए.एन.एम./एम.पी.डब्ल्यू पर्यवेक्षक को सभी केन्द्रो पर 100 प्रतिशत टीकाकरण हेतु निर्देश दिये गये । • बी.एल.ए.सी. में लिये निणय के बाद एन.एच.डी. पर 11–5 बजे तक सेवा देने कहॉ गया । • बी.एम.ओ. द्वारा एन.एच.डी. पर भ्रमण किया गया । जिसमें अनुभव में ए.एन.एम. द्वारा पर्याप्त टीका नही लाना समय पर उपस्थिति नही होने से सभी को स्पष्टीकरण एवं एक पत्र के माध्यम से ए.एन.एम. एम.पी. डब्ल्यू. को एन.एच.डी. गॉव में भ्रमण की विस्तृत कार्ययोजना रूपरेखा पत्र लिखकर निर्देश दिया गया ।	

	बैहर	बालाघाट	लांजी
परियोजना की मुख्य रणनीतियॉ पर हस्तक्षेप	नए केन्द्रों का संचालन • नई आ.बा. कार्यकर्ता को विधि प्रदर्शन के दौरान व्यवहारो की जानकारी दी गई जिसके विधि प्रदर्शन का तरीका आहारकिट बताया गया । • सेक्टर स्तर पर संयुक्त बैठक में ए.एन.एम. को इस केन्द्रो पर संयुक्त भ्रमण के दौरान सहयोग करने कार्ययोजना बनाई गई • सेक्टर स्तर पर पर्यवेक्षक बी.सी. द्वारा उन केन्द्रो के रिकार्ड/ग्रहभेट पर क्षमता विकास किया जाता हैं । • समसत आ.केन्द्रो का ग्रेडिंग किया गया जिसको लेकर सी.डी.पी.ओ. के साथ समीक्षा किया जा रहा हैं एवं इसके ग्रेड बदलाव आया हैं ।		समस्त आ.बा.केन्द्रो का ग्रेडिंग किया गया जिसको लेकर सी.डी.पी.ओ. के साथ समीक्षा कर ग्रेडिंग में बदलाव लाया गया । आ.केन्द्रो पर कार्यकर्ता द्वारा ग्रहभेट किया जा रहा हैं जिसमें स्वास्थ्य व्यवहारो एवं हितग्राही की उपस्थिती सेवाओं के स्तर से सुधार आया लगातार प्रयास कर सेक्टर स्तरीय बैठक को गुणवत्ता पूर्ण बनाने प्रयास किया गया आई.सी.डी.एस. द्वारा मात्र शिशु रक्षा कार्ड को ए. एन.एम. द्वारा उपयोग किया जाने लगा । मांगपत्र को प्रभावी बनाने कार्य दिया जा रहा हैं जिसमें टीकाकरण स्तर में सुधार आया । विकास खण्ड के दिघोरी एवं चिखली ग्राम में संस्थागत प्रसव पुरे वर्ष 100 प्रतिशत रहा । बाल संजीवनी अभियान के दौरान विटामिन 80–85 प्रतिशत केन्द्रो पर सिर्फ ए.एन.एम. द्वारा ही पिलाया गया । सभी आ.केन्द्रो पर आहार किट बनाने प्रयास किया गया । सेक्टर स्तर पर ग्रेडिंग स्तर सुधारको कमजोर सेक्टर पर फीड डिमोसटेशन आयोजित किया गया आ. केन्द्रो में स्तर को सुधारने ग्रेडिंग केन्द्रो पर अंकित कराई जा रही हैं । बी.एल.ए.सी. के आयोजन में टीकाकरण दवाओं की उपलब्धता कुपोषण संस्थागत प्रसव की समीक्षा सी. डी.पी.ओ. एवं पर्यवेक्षक द्वारा की जा रही हैं । बैठको / शिविरो में प्रश्नोत्तरी के माध्यम से क्षमता विकास किया गया ।

	बैहर	बालाघाट	लांजी
परियोजना की मुख्य रणनीतियॉ पर हस्तक्षेप	• बाल संजीवनी अभियान में पूर्व की अपेक्षा इस बार 95 प्रतिशत केन्द्रो पर ए.एन.एम. द्वारा ही दवा पिलाई गई । • 12 वे बाल संजीवनी अभियान में सभी जगह वजन का प्रयोग किया गया । • उपरी आहार पर जानकारी बढाने विधि प्रदर्शन के माध्यम के मात्रा गुणवत्ता को बढ़ावा दिया गया । • लगातार ब्लाक समन्वयक के प्रयासो से पहली बार बैहर विकासखण्ड में खण्ड आ. केन्द्रो के 238 पर टीकाकरण सम्प्रण हो पाया ।		• मंगल कार्यक्रम को उत्सव के रूप में कुछ ढोल, भजन के माध्यम से केन्द्र पर किया गया। • महिला जाग्रती एवं किशोरी प्रशिक्षण में इस बार किशोरी स्वास्थ्य एवं पोषण की जानकारी देने पर्यवेक्षक प्रथम व्यय को प्रेरित किया गया • माह के द्वितीय मंगलवार के समस्त केन्द्रो पर ए.एन.एम. स्वास्थ्य विभाग की मद्द से विधि प्रदर्शन एन.एच.डी. पर किया जावेगा। • भानेगॉव, बहेला, पालडोंगरी, में आ.बा. कार्यकर्ता को स्वास्थ्य व्यवहारो पर तकनीकि सत्र के माध्यम से जानकारी क्षमता विकास किया गया । • आ.केन्द्र पर बच्चों की उपस्थिति का पतिशत एवं टीकाकरण की समीक्षा बी.एल.ए.सी. में की गई । • कुछ आ.केन्द्रो पर किचन गार्डन लगाया गया जिसको सेक्टर स्तर पर 5–5 किचन गार्डन बनाने प्रयास किया गया । • पूर्व की अपेक्षा इस माह में बी.एल.ए.सी. में बी. एम.ओ. एवं सी.डी.पी.ओ.द्वारा लिए निर्णय के अनुसार समस्त 07 सेक्टर में संयुक्त बैठक आयोजित की जा रही हैं ।

	बैहर	बालाघाट	लांजी
पंचायत और ग्रामसभाओं का सशक्तिकरण	ग्राम पंचायत करवाही • पंचायत बैठक के दौरान शासन की विभिन्न योजना के साथ महिला बाल विकास, स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं की चर्चा की गई । • पंचायत द्वारा संस्थागत प्रसव/लाड़ली लक्ष्मी योजना पर सभी पंचायत सदस्यों को जानकारी दी गई । • गोहारी सरपंच द्वारा गॉव में संस्थागत प्रसव बढाने कार्य करने का निर्णय लिया एवं दोनो विभागो के कार्यकर्ता को इस पर सक्रियता से कार्य करने सुझाव दिये । • करवाही पंचायत की एस.एच.डी. समुह की महिलाओं के साथ पंचायत सरपंच द्वारा कार्यकर्ता ए.एन.एम./एम.पी.डब्ल्यू. को ग्रहभेट करने कहा गया । ग्रामसभा – कोहका :– • ग्रामसभा में लाड़ली लक्ष्मी योजना में कुछ हितग्राही द्वारा अपना नाम नही दर्ज होने का मुद्दा उठाया कार्यकर्ता द्वारा योजनाओं की जानकारी दी गई । • कार्यकर्ता द्वारा योजनाओं की जानकारी दी गई । • महिला जाग्रति शिविर (गढ़ी, बैहर, बिठली) • शिविर में अनाज कीट/हरी सब्जीयॉ एवं विधि प्रदर्शन का आयोजन प्रथमिकता से किया गया । • शिविर में कुपोषण बच्चे/गर्भवती महिला को केन्द्र बिन्दू मानकर उपरी आहार/संतुलित आहार पर जानकारी दी गई ।	ग्रामसभा परसवाड़ा • ग्रामसभा में महिलाओं की उपस्थिती हुए जिसमें सरपंच/सचिव द्वारा महिलाओं की समस्या एवं आ. केन्द्र से मिलने वाली सेवाओं की समीक्षा की गई । • ग्राम में केन्द्र पर हितग्रही गर्भवती द्वारा प्रतिदिन भोजन नही लिए जाने पर ग्रामसभा में कार्यकर्ता द्वारा जानकारी दी गई । • पंचायत द्वारा टीकाकरण/मंगल कार्यक्रम का संचालन सही तरह करने कहा गया । पाद्रीगंज • ग्रामसभा के दौरान ए.डब्लयू.डब्ल्यू./ए.एन.एम द्वारा हितग्राही के घरो पर भ्रमण ग्रहभेट करने सरंपच द्वारा पत्र लिखा गया । • एन.एच.डी./मंगल कार्यक्रम में पंचायत प्रतिनिधि की उपस्थिति पर पंच सदस्यों की इसकी जिम्मेदारी दी गई । • पाद्रीगंज की जून माह में आयोजित बैठक में कुपोषण की समीक्षा के साथ संस्थागत प्रसव/ए.एन.एम. का भ्रमण/मंगल कार्यक्रम की समीक्षा सरपंच द्वारा की गई ।	पंचायत बैठक देवलगॉव • ए.एन.एम. आशा एवं आ.कार्यकर्ता संयुक्त भ्रमण करे जिस पर इसी माह यह भ्रमण किया गया । • ग्रामीण स्वच्छता एवं स्वास्थ्य समिति के साथ पंचायत सक्रिय सहयोग करेंगी । • प्रतिमाह स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं आगनबाड़ी कार्यकर्ता के साथ पंचायत में पोषण स्वास्थ्य पर कुपोषित बच्चे आहार मीनू चार्ट शिशु मृत्यु बच्चो की उपस्थिति पर पंचायत में चर्चा होगी ।

	बैहर	बालाघाट	लांजी
पंचायत और ग्रामसभाओं का सशक्तिकरण	• गढ़ी बैहर में परियोजना अधिकारी द्वारा समस्त आ.कार्यकर्ता को अपने केन्द्र पर समुदाय/महिलाओं की बैठक कार्यक्रम करने निर्देश दिए गए । • शिविरो में पंचायत प्रतिनिधि को बुलाया गया एवं स्वयं विभाग द्वारा उन्हें आगनबाड़ी केन्द्र पर सहयोग निगरानी हेतु प्रेरित किया गया । *शिविर में स्वास्थ्य व्यवहारों पर प्रश्नोत्तरी जानकारी दी गई । भालापुरी* • प्रत्येक माह टीकाकरण समय पर निर्धारित संरपच द्वारा किया गया । • लिए निर्णयो को पंचायत प्रोसेडिंग में लिखा गया । • पोषण आहार वितरण में गुणवत्ता सुधार हेतु कार्यकर्ता को कहा गया । • पंचायत समिति द्वारा मंगल कार्यक्रम ए.एन.डी. उपस्थिति का निर्णय लिया गया । अतरिया • आगनबाड़ी केन्द्र पर सरपंच/सचिव द्वारा भ्रमण किया जा रहा हैं । • संस्थागत प्रसव बढ़ाने ग्रामसभा में चर्चा की गई । • आगनबाड़ी केन्द्र संचालन हेतु भवन की व्यवस्था की गई ।	बोदा • ग्रामसभा में पंचायत प्रतिनिधि के साथ हितग्राही महिला उपस्थित हुई । • आ.कार्यकर्ता ए.एन.एम. द्वारा किए संयुक्त भ्रमण की समीक्षा अनुभव को कार्यकर्ता द्वारा रखा गया • ग्रामसभा में नवजात शिशु की देखभाल एवं कुपोषण पर जानकारी दी गई । • सरपंच महोदय द्वारा गेंदलाल/हिमांशी/धुपलाल को गोद लेकर सहायता करने निर्णय लिया गया यह सभी तृतीय ग्रेड के कुपोषित बच्चे थे । पंचायत बैठक बघोली • पंचायत बैठक बघोली में सरपंच/सदस्य के साथ मात्र सहोगनी समिति को बुलाया गया । • बैठक में कार्यकर्ता द्वारा ग्राम में कुपोषण के स्तर के साथ समुदाय में बच्चो की देखभाल साफ सफाई की जानकारी दी गई । • बेठक में सरपंच द्वारा सभी सदस्यों को आ.केन्द्र पर सेवाओं का लाभ लेंने अपने क्षेत्र को साफ–सफाई / शौचालय बनाने कहा गया ।	ग्रामसभा बिरनपुर • उमेश/कन्हैया द्वारा अपने बच्चे का वजन (4 ग्रेड) केन्द्र पर नहीं कराया जाता था जिस पर पंचायत द्वारा वजन कराया गया। • गॉव की अप्रशिक्षित दाई को समझाया गया ताकि कोई प्रसव सुरक्षित न हो । प्रसव को संस्थागत कराने चर्चा की गई । • आगनबाडी केन्द्र पर आयोजित कार्यक्रम/मंगल दिवस में पंचायत को उपस्थिती सुनिश्चित हुई ।

	बैहर	बालाघाट	लांजी
आई.सी.डी.एस. के साथ तकनीकी प्रबंधकीय एवं परिचालन में सहयोग	• समस्त सेक्टर स्तर पर विधि प्रदर्शन का आयोजन कर क्षमता विकास एवं तकनीकि स्तर की जानकारी दी गई । • 12 वे बाल संजीवनी अभियान के समय कमजोर अधिक कुपोषण वाले केन्द्रो पर पर्यवेक्षक का भ्रमण किया गया । • पंचायतो से सहयोग लेने ब्लाक स्तर पर सचिव बैठक के माध्यम से सरपंच केन्द्र भ्रमण किया गया । • बाल संजीवनी अभियान के दौरान परियोजना अधिकारी एवं पर्यवेक्षक के साथ भ्रमण किया गया जिसके बाद अनुभव एवं समस्याओं को लेकर परियोजना स्तर पर कुछ केन्द्रो पर दुबारा अभियान आयोजित किया एवं कार्ययोजना में उन मुद्दो को ध्यान रखा गया • परियोजना अधिकारी भार्गव जी के साथ आगनबाडी केन्द्र 15 भ्रमण कर ग्रेडिंग, रिकार्ड ग्रहभेट के सुधार किया गया । • 12 वे बाल संजीवनी अभियान में केन्द्रो पर विधि प्रदर्शन उपरी आहार की जानकारी 60–70 प्रतिशत केन्द्र पर दी गई । • नियमित सेक्टर एवं ब्लाक स्तर पर रोस्टर की समीक्षा की जा रही हैं । • पर्यवेक्षक द्वारा सेक्टर बैठक में प्रपत्र को प्रयोग किया गया । • सभी कमजोर सेक्टर पर फिडिंग डेमोंस्टेशन आयोजित किया जा रहा हैं । • कमजोर आ. केन्द्रो पर अन्नप्राशन के साथ विधि प्रदर्शन करने प्रयास किया जा रहा हैं। • आ. केन्द्रो पर आहार कीट का प्रदर्शन किया जा रहा हैं ।	पायली • पंचायत द्वारा बैठक में स्थानीय मात्र एम. एस.एस. सहयोगनी/आ.कार्यकार्त सहायिका को बुलाया गया । • स्नेहा, आयुषी बालिका तृतीय, चतुर्थ ग्रेड को सरपंच द्वारा गोद लिया गया । • सरपंच द्वारा आ. कार्यकर्ता को केन्द्र पर गुणवत्ता पूर्ण पोषण आहार देने एवं माह में नियमित सभी बच्चो का सही – सही वजन करने निर्देश दिया गया । आमगॉव • कुपोषित बच्चो को गोद लिया गया जिसमें सरंपच द्वारा 1 बच्चों को एवं उप सरपंच/मात्र सहयोगनी समिति द्वारा दो–दो बच्चे को गोद लिया गया । • ग्राम में ए.एन.एम. द्वारा हितग्राही किशोरी/गर्भवती को सही तरीका से टीका नही लगाया गया जिस पर किशोरी को हाथ पर चिरा लगाना पड़ा, अतः सरपंच द्वारा ए.एन.एम. को कार्यप्रणाली व्यवस्थित सही तरह करने सुझाव दिया गया ।	

	बैहर	बालाघाट	लांजी
पंचायत एवं समुदाय के साथ हस्तक्षेप	• नियमित सचिव/ सरपंच की बैठको में उपस्थिती की गई । • उप स्वास्थ्य केन्द्र स्तर पर सरपंच द्वारा राशि का उपयोग कर टीकाकरण टी.टी का खर्च किया गया । • ब्लाक स्तर पर एम.पी.आर. एवं भ्रमण अनुभव के आधार पर 40 प्रतिशत पंचायतो सदस्यों द्वारा एन.एच.डी. में उपस्थित की गई • कुछ सचिव द्वारा आ.केन्द्र भ्रमण किया गया जिसका अनुभव एवं समस्याओं को ब्लाक जिला स्तर पर सी.ई.ओ. द्वारा किया गया । • मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा समस्त पंचायतो को आयोजित ग्रामसभा को पोषण स्वास्थ्य मुद्दो पर चर्चा करने पत्र लिखा गया • विगत अप्रैल माह/मई माह में 22 पंचायतों में ग्राम सभा आंगनवाडी कार्यकर्ता की उपस्थिति चर्चा हुई।	• विगत 3 माह में 2 बार सचिव स्तर की बैठक में आई.सी.डी.एस. से अधिकारी/पर्यवेक्षक की उपस्थिति रही । • सभी सचिवो को ग्राम सभा आयोजन के दौरान आगनबाडी कार्यकर्ता/ए.एन.एम. की उपस्थिति सुनिश्चित करने अधिकारी द्वारा निर्देश दिए गये । • ग्रामसभा में संस्थागत प्रसव, लाडली लक्ष्मी योजना एवं कुपोषण पर चर्चा/समीक्षा की जाए। • ब्लाक स्तर पर भरवेली, नेवरगॉव, हट्टा, में कुछ आ. केन्द्र लगाने भवन हेतु पंचायत को सहयोग करने की बात रखी गई । • नियमित स्तर पर नवेगॉव, भरवेली, समनापुर में पंचायत सरपंच द्वारा कुछ देर सेक्टर बैठक में उपस्थित होकर चर्चा की गई । • पंचायते अपनी ग्राम पंचायत बैठक में कुछ चर्चा/समीक्षा आ. केन्द्र संबंध में पोषण/स्वास्थ्य स्तर/भ्रमण/टीकाकरण भी करे ताकि गॉव– टोलो में सेवाओं की पहुॅच हो जाए ।	• एस.डी.एम. द्वारा समस्त पंचायतों को ग्रामसभा में पोषण/स्वास्थ्य मुद्दा रखने पत्र लिखा गया । • ब्लाक स्तर पर सरपंच/सचिव बैठक में नियमित पोषण स्वास्थ्य मुद्दो पर चर्चा की जा रही है । • सेक्टर स्तर पर भानेगॉव, घोटी में एम.एस.एस. सदस्यो अध्यक्षो के साथ एक दिवसीय बैठक का आयोजन किया गया जिसमें पोषण स्वास्थ्य पर सहयोग की कार्ययोजना बनाई गई । • पंचायतो द्वारा संस्थागत प्रसव हेतु हितग्राही का सहयोग किया जा रहा है। जिसकी समीक्षा पंचायत बैठक में ली जाती है। • सेक्टर स्तर पर महिला जाग्रति शिविर में पंचायतो को अच्छा सहयोग मिला (दवलगॉव, कालीमाटी, घोटी) • मोस्ट संस्था द्वारा आयोजित नुक्कड नाटक में समग्र स्वच्छता के साथ पोषण संबंधी जानकारी दी गई । • एम.एस.एस. अध्यक्ष द्वारा जागरूकता अभियान में संगोष्ठी आयोजित की गई । • विगत माह देवलगॉव, साडरा, पंचायत द्वारा ए.एन.एम. का संयुक्त भ्रमण पंचायत द्वारा तय किया गया जिसमें देवलगॉव में ए.एन.एम./ए.डब्ल्यू.डब्लयू. आया का संयुक्त भ्रमण हुआ।

	बैहर	बालाघाट	लांजी
पंचायत एवं समुदाय के साथ हस्तक्षेप		प्रभाव • मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा पत्र लिखकर सभी सचिव को निर्देश दिए गये जिसमें वे समुदाय की उपस्थिति में पोषण / स्वास्थ्य की समीक्षा करें। • पंचायत द्वारा अपने क्षेत्र के आ. केन्द्रों को लगाने हेतु भवन उपलब्ध कराया जाए । • स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित कर इसमें स्वास्थ्य गतिविधि की चर्चा की जाए। • कुछ पंचायतों द्वारा ग्राम में आंगनवाडी कार्यकर्ता को नियमित ग्रामसभा एवं मासिक बैठक में शामिल किया जा रहा है। • बाल संजीवनी अभियान के दौरान 60–70 प्रतिशत आंगनवाडी केन्द्रों पर पंचायत प्रतिनिधि की उपस्थिति रही । • एन.एच.डी. मंगल कार्यक्रम में पंचायत प्रतिनिधियों की उपस्थिति सुनिश्चित हुई है।	

	बैहर	बालाघाट	लांजी
पंचायत सरपच सचिव बैठक	• एन.आर.एच.एम.कार्यक्रम/गतिविधि की चर्चा मासिक ब्लाक स्तरीय बैठक में की जाती है। • बैठक में परियोजना अधिकारी द्वारा आगनबाड़ी केन्द्र संचालन मंगल कार्यक्रम में पंचायत की भागीदारी पर चर्चा की गई । • सचिव द्वारा कुछ केन्द्रो का भ्रमण अनुभव दिया जाता हैं । जिसपर विभागीय स्तर पर सुधार के प्रयास किये गये । • पंचायत स्तर पर स्वास्थ्य समिति कुछ केन्द्रो पर सक्रिय सहयोग, भागीदारी कर रही हैं । • टीकाकरण से जोडने हेतु टोले, मंजरो में पंचायत प्रतिनिधि मदद कर रहे हैं । • बाल संजीवनी अभियान में पंचो/सरपंच की उपस्थिति हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा प्रयास किये गये । • पंचायत द्वारा आगनबाड़ी केन्द्र भवन/उपस्वास्थ्य केन्द्रो पर भवन सुधारने प्रयास किया गया कुछ जगह अन्य भवन उपलब्ध कराया गया । • पंचायत सचिव द्वारा आ.केन्द्र भ्रमण सहयोग की दृष्टि से करने एवं माह की 31 तारीख को गॉव में जन्म/संस्थागत प्रसव की जानकारी देने सी. डी.पी.ओ. द्वारा निर्णय लिया गया ।		• बाल संजीवनी अभियान के दौरान कुछ पंचायतों द्वारा मुनादी करायी गयी। • अप्रैल माह में आयोजित ग्रामसभा में पोषण स्वास्थ्य पर पंचायत प्रतिनिधि द्वारा चर्चा की गई । जिसकी अपील एवं निर्देश मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा दिये गये थे । • बाल संजीवनी अभियान के दौरान 60 प्रतिशत केन्द्रो पर प्रतिनिधि की उपस्थिति एवं सक्रिय सहयोग मिला । • पंचायतो द्वारा किए गये प्रयासो की चर्चा बैठक में की जाती है। जिसमें देवलगॉव, अमेड़ा बिसोनी द्वारा पेट की जॉच हेतु टेबिल एवं गोदनाम की जानकारी दी गई। • पंचायत बैठक के दौरान आ.केन्द्र की सेवाओं गृहभेट की समीक्षा की जा रही है। • ग्राम पंचायतो द्वारा संस्थागत प्रसव बढ़ाने स्वयं प्रयास किय गये । • ग्रामसभा में कार्यकर्ता के गृहभेट के साथ टीकाकरण की समीक्षा की जा रही हैं ।

	बैहर	बालाघाट	लांजी
बाल संजीवनी अभियान मुस्कान शिविर	• ब्लाक स्तर पर संयुक्त कार्ययोजना बनी । • सभी केन्द्रो पर ए.एन.एम. की उपस्थिति/टीकाकरण/पूर्ण किया गया । • गढ़ी/कुकर्रा/भण्डेरी के कुछ केन्द्रों पर ए.एन.सी. नहीं हो पाने पर बी.एम.ओ. द्वारा ए.एन.सी जॉच हेतु कुछ कार्यकर्ता/ए.एन.एम. को निर्धारित कार्ययोजना बनाकर यह किया जा रहा हैं । • पहली बार अभियान में विटामिन, टीकाकरण सभी केन्द्रो पर प्राप्त हुआ । • आई.सी.डी.एस.पर्यवेक्षक एवं परियोजना अधिकारी द्वारा 50 केन्द्रो पर भ्रमण किया गया । • बच्चो के वजन के साथ वृद्धि चार्ट का उपयोग जानकारी देने कार्यकर्ता द्वारा प्रयास किया गया ।	लामता भरवेली, हट्टा 12 वे बाल संजीवनी अभियान के बाद जिला स्तर पर डी.एल.ए.ई. में लिये गये निर्णय अनुसार बालाघाट में मुस्कान शिविर प्रांरभ किया गया जिसमें सेक्टर स्तर पर लामता, भरवेली हट्टा, क्षेत्र में शिविर के माध्यम से ब्लाक के समस्त गम्भीर कुपोषित बच्चे को इसमें शामिल किया गया जिसमें तृतीय एवं चतुर्थ ग्रेड के बच्चे एवं किशोरी बालिका, खतरे वाली गर्भवती महिला की जॉच की गई। आयोजित शिविर में हमारे द्वारा हितग्राही एवं कार्यकर्ता के साथ स्वास्थ्य व्यवहारों पर चर्चा कर तकनीकि जानकारी दी गई जिसमें प्रश्नोत्तरी के माध्यम से भी गतिविधी की समीक्षा की गई प्रमुख रूप से 6 माह से 2 वर्ष के बच्चो की माताओं की उपरी आहार पर विधि प्रदर्शन कर बताया । शिविर में विधि प्रदर्शन मीनू चार्ट के आधार पर आहार प्रदर्शन किया गया साथ ही आ. कार्यकर्ता को केन्द्र पर आहार कीट विधि प्रदर्शन करने हेतु जानकारी दी गई । शिविर में आए हितग्राही से कुछ व्यवहारो की समीक्षा की गई जिसमें गर्भावस्था में आई.एफ.ए/टी.एफ खानपाल एवं संस्थागत प्रसव के साथ नहलाना, तुरन्त स्तनपान, संबंधी जानकारी एवं उसका पालन देखा गया । शिविर के प्रांरभ में सी.डी.पी.ओ. द्वारा शिविर के उद्देश्यो को बताने के साथ समुदायिक देखभाल की जानकारी दी गई समस्या मुस्कान शिविर में हमारे द्वारा स्तनपान को लेकर डॉल (मॉडल) के माध्यम से स्तनपान के तरीके/स्थिति/जुडव पर व्यवहारिक / तकनीकी जानकारी दी गई ।	• अभियान पूर्व दोनो विभागो की संयुक्त बैठक कर कार्ययोजना बनाई गई । • कार्ययोजना के अनुसार 183–176 आ.केन्द्रो पर टीकाकरण/अभियान सफल हुआ । • अभियान के दौरान 50 प्रतिशत आ.केन्द्रो पर विधि प्रदर्शन कर बताया गया । • सभी केन्द्रो पर दलवार कार्ययोजना बनाया गया जिसमें दल की उपस्थिति सभी जगह रही। • इस अभियान में 90 प्रतिशत केन्द्रो पर वीटामिन सिर्फ ए.एन.एम. द्वारा ही पिलाया गया। • पूर्व की अपेक्षा इस अभियान में बच्चो में वजन का अन्तर कम था एवं सही वजन व रिकार्ड बनाया गया । • अभियान के पूर्व रैली, प्रचार, नारे लेखन किया गया जिसमें पंचायत की उपस्थिति के साथ सहयोग मिला । • अभियान में टी.टी. को छोडकर सभी टीका उपलब्ध थे । • अभियान के दिन दल की कार्यकर्ता द्वारा कुपोषित बच्चे एवं गर्भवति छात्री को शिक्षा दिया गया ।

	बैहर	बालाघाट	लांजी
ब्लाक स्तरीय नए कार्यकर्ता का एक दिवसीय प्रशिक्षण/ बैठक	• आगनबाड़ी कार्यकर्ता को केन्द्र समय पर संचालन हेतु सिखाया गया । • 12 वे बाल संजीवनी अभियान के लिए सर्वे एवं हितग्राही की सूची बनाने जानकारी दी गई । • पोषण पुर्नवास केन्द्र पर 3–4 ग्रेड के बच्चो को चिंहित कर लाने निर्देश दिया गया । • सभी कार्यकर्ता को टीकाकरण/ वृद्धि चार्ट बडी ग्रहभेट रिकार्ड बनाकर दल का सहयोग लेने निर्देश दिया गया । • सी.डी.पी.ओ. द्वारा सभी कार्यकर्ता को स्वास्थ्य पोषण व्यवहार मंगलदिवस का आयोजन करने सत्र लेकर जानकारी दी गई ।		• केन्द्र पर वजन मशीन उपलब्ध कराकर नियमित वजन लिया जा रहा हैं । • बैठको के दौरान समस्त नए आ.केन्द्रो पर ग्रहभेट, टीकाकरण वजन वीटामिन पडी संधारित कर तैयार कराई गई । • सभी दलनेता द्वारा नए केन्द्रो पर मंगल दिवस का आयोजन किया जा रहा हैं जिसमें सहयोग जानकारी सीखाया जा रहा हैं । • नए आ.केन्द्रो को टीकाकरण पर जोडने रोस्टर बनाया गया जिसमें बी.एम.ओ. द्वारा कुछ ऐसे केन्द्रो पर अतिरिक्त दिन भी दिया गया । • नए केन्द्रो पर सम्पूर्ण टीकामंच सुनिश्चित करने कार्यकर्ता द्वारा ए.एन.एम. को मांग पत्र दिया गया । • मंगल दिवस पर पर्यवेक्षक द्वारा इन केन्द्रो का भ्रमण कर कार्यकर्ता को जानकारी क्षमता वृद्धि की जा रही हैं । • नए आ.कार्यकर्ता को स्वास्थ्य व्यवहार में प्रमुख व्यवहारो की जानकारी देने के लिए सेक्टर बैठक एवं केन्द्र भ्रमण में प्रयास किया गया एवं जीवन की आशा के माध्यम से इन्हें जानकारी सिखाया गया ।

	बैहर	बालाघाट	लांजी
विधि प्रदर्शन	• सेक्टर स्तर पर विधि प्रदर्शन करने से आगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के द्वारा अनाज कीट प्रसव कीट तैयार कर केन्द्र स्तर पर रखने का निर्णय लिया गया । • सेक्टर गढ़ी ए ए में सभी कार्यकर्ताओं के द्वारा अनाज कीट प्रसव कीट बनाया गया । • स्तनपान पर प्रत्येक केन्द्रवार कार्यकर्ताओं के द्वारा ग्रहभेट के माध्यम से रोलप्ले करना सुनिश्चित किया गया । • आगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के द्वारा प्रत्येक माह में कुपोषित बच्चो की सूची तैयारी कर उनके वजन लेना एवं अनाज कीट का प्रयोग करना सुनिश्चित किया । • सेक्टर पर्यवेक्षको के द्वारा प्रश्न उत्तरीय कार्यक्रम बहुत अच्छा लगा, और प्रत्येक सेक्टर बैठको में प्रश्न उत्तरीय के लिये पर्यवेक्षक प्रश्न बनाकर प्रश्न उत्तरीय कार्यक्रम करना सुनिश्चित किया गया । • ए.एन.एम. के द्वारा तुरनत स्तनपान पर रोलप्ले बहुत ही अच्छा लगा जिससे वह प्रत्येक केन्द्र एन.एच.डी. के दौरान हितग्राहियों को समझाने का निर्णय लिया गया । • सी.डी.पी.ओ. मेडम के द्वारा इस तरह कार्यक्रम होते रहे केन्द्रवार तो कुपोषण होगा ही नही सभी कार्यकर्ताओं को विधि प्रदर्शन की प्रत्येक शब्दो को ध्यानपूर्वक कराने के लिए कहा गया । • आगनबाड़ी केन्द्रो में अभियान के दौरान टीकाकरण से छुटे हितग्राहियो को शामिल करना । • केन्द्र स्तर पर रिकार्ड का अघतन पूर्णरूप से नही हो रहा हैं ।	सघन वनों के बीच चॉगोटोला सेक्टर के ग्रम अरनामेटा में मात्र सहयोगनी समिति एवं लोगों की सक्रियता देखने योग्य हैं । यह ग्राम जिले से 50 कि.मी. दूर हैं यहॉ के लोग सीधे किसी स्वास्थ्य केन्द्र से जुडाव नहीं है। यहॉ माह में प्रथम मंगल को आयोजित गोद भराई कार्यक्रम में समिति के सदस्यों के द्वारा सभी ग्राम की बुजुर्ग महिला/समिति के सदस्य भजन–कीर्तन के साथ हितग्राही के बीच इस आयोजन करते हैं जिसमे गॉव में एक उत्सव जैसा संदेश जाता है साथ ही समुदाय भी कार्यकर्ता की बात गंभीरता से सुनते हैं।	विधी प्रदर्शन भानेगॉव /पालडोंगरी/बहेला : प्रक्रिया • उपरी आहार पर विधी प्रदर्शन । • स्वास्थ्य एवं पोषण व्यवहारो पर चर्चा एवं प्रश्नोत्तरी माध्यम से की गई । • नवजात शिशु की देखभाल एवं स्तनपान पर सत्र । • केन्द्रो पर विधी प्रदर्शन एवं कुपोषित बच्चो के परिवारो में गुणवत्ता पूर्ण परामर्श हेतु तैयार करना । प्रतिक्रिया • महिला बाल विकास पर्यवेक्षक द्वारा विधी प्रदर्शन को मंगल दिवस में जोडने, इसी माध्यम से पोषण आहार की जानकारी देना, घरो पर उपलब्ध आहार को प्रेरित करना, की बात कही गई । • आ.कार्यकर्ता द्वारा हितग्राही को इस प्रकार से बताने पर ज्यादा प्रभाव का अनुमान लगा । सौ इन्होंने अपने केन्द्रो पर आहर कीट एवं विधी प्रदर्शन करके बताने का निर्णय लिया । • हितग्राही द्वारा विधी प्रदर्शन एवं इसकी जानकारी को अनुंठी एवं नई जानकारी माना गया, इनके द्वारा यह जानकारी पहली बार मालूम हुई एवं इसे सभी गॉव में हितग्राही महिलाओं के बीच बताना चाहिये • बहेला में हितग्राही द्वारा बच्चो की 5 साल तक विशेष देखभाल, खान–पान की जानकारी मालूम नही थी, कहॉ गया, बच्चो को कैसे खाना देने चाहिए एवं क्यो, समय पर आवश्यक है। की जानकारी महत्वपूर्ण लगी ।

	बैहर	बालाघाट	लांजी
विधि प्रदर्शन	• कार्यकर्ताओं द्वारा महत्वपूर्ण समय में ग्रहभेट नही किया जा रहा । • सभी सेक्टरो में अनाज कीट प्रसव कीट तैयार कराना सुनिश्चित किया गया । • आ.बा.केन्द्र स्तर पर पंचायत स्तर पर विधि प्रदर्शन का आयोजन कराना । • स्तनपान विधि प्रदर्शन केन्द्रवार कार्यकर्ता ग्रहभेट दौरान कराना सुनिश्चित । • छुटे टोले मंजरो के हितग्राहियों तक अपनी पहुच बनाने का निर्णय । • महिला स्वास्थ्य समिति की बैठको में स्वा. व्यवहारो पर चर्चा कराना सुनिश्चित । • मंगल कार्यकर्ताओं में पच महिला स्वास्थ्य समिति की सक्रियता सुनिश्चित करना । • गृहभेट सदस्यो के साथ करना सुनिश्चित किया गया । • प्रत्येक केन्द्र में महिला स्वास्थ्य समिति की बैठक रिकार्ड अघतन सुनिश्चित किया । • ए.एन.एम. के द्वारा स्वास्थ्य केन्द्रो में टीकाकरण रोस्टर के आधार पर होना । • ए.टी.पी. के अनुसार एल.एच.वी. के साथ भ्रमण सुनिश्चित किया गया । • ए.एन.एम./एम.पी.डब्ल्यू. के द्वारा निर्धारित दिवस में टीकाकरण कार्य पूर्ण कराने के निर्देश।		• स्तनपान संबंधी दी जानकारी हितग्राही के साथ कार्यकर्ता को भी प्रेरित कर रही हैं आ. कार्य. प्रशिक्षण के बाद यह स्वयं कार्यकर्ता द्वारा केन्द्रो पर बताया गया जिसका परिणाम स्तनपान एंव सिर्फ स्तनपान के परिणाम में सुधार आ रहा है।

	बैहर	बालाघाट	लांजी
महिला जागृति शिविर			जामुनटोला • बच्चों की उपस्थिति बढाने पंचायत सहयोग किया जा रहा हैं । • केन्द्र पर महिलाओं, हितग्राही को पोषण आहार प्रतिदिन लेने जागरूक किया गया हैं । • स्तनपान के साथ संस्थागत प्रसव एवं कुपोषण स्वास्थ्य व्यवहारो में पंचायत द्वारा बैठक में प्रतिमाह चर्चा की जा रही हैं । • आ.कार्यकर्ता को प्रश्नोत्तरी एवं तकनीकि सत्र के माध्यम से व्यवहारो पर समीक्षा की गई । • उपरी आहार एवं विधि प्रदर्शन के माध्यम से कुपोषण में कमी लाने प्रयास किया गया । कोचेवाही • पंचायत द्वारा 05 बच्चो को गोद लिया गया । • नए आ.केन्द्र के लिए कुर्सी / टेबिल एवं पाल दिया गया । • एन.एच.डी. मंगल दिवस के कार्यक्रम में उपस्थिती होने पंचो की टीम बनाकर अमेडा • प्रश्नोत्तरी के माध्यम से स्वास्थ्य व्यवहारो पर समीक्षा की गई जिसमें समुदाय व्यवहारो का पालन कर रहा हैं । • पंचायत में पो. स्वास्थ्य पर निगरानी की जा रही हैं । • दलनेता द्वारा रोलप्ले विधि प्रदर्शन किया गया । दहेगॉव • पंचायत के सहयोग/पोषण पर चर्चा की गई । • पंचायत द्वारा सत्तू का वितरण कुपोषित बच्चो हेतु किया गया । • नियमित पोषण आहार लेने हितग्राही को जागरूक करने पंचायत के पंच द्वारा प्रयास किया जा रहा हैं । बेलगॉव • परियोजना अधिकारी द्वारा शिविर के उद्वेश्यो को बताते हुए मॉ बच्चे की देखभाल पर समुदायिक प्रयासो/व्यवहारो पर चर्चा की गई । • समुदाय को विधि प्रदर्श प्रश्नमंच नुक्कड के माध्यम से जानकारी दी गई । • शिविर में दोनो विभाग के कार्यकर्ता नए कार्यकर्ता को जीवन की आशा के बारे में बताया गया ।

	बैहर	बालाघाट	लांजी
एम.एस.एस. सेक्टर स्तरीय बैठक		कुपोषण ग्रेड स्तर में लाया बदलाव कटंगी (भरवेली) यहॉ संजय/उर्मीला जिसकी उम्र 18 माह द्वितीय ग्रेड का बालक हैं जिसे बाल संजीवनी में चिन्हित किया गया । यहॉ इस सबंध में ब्लाक समन्वयक नरेश लांजेवार द्वारा एम.एस.एस. के सदस्यों को प्रेरित किया गया । 3 माह पश्चात पुनः केन्द्र भ्रमण करने पर पाया की आज संजय सामान्य ग्रेड का बालक हैं जिसके पीछे एम.एस.एस. के श्रीमती प्रमिला सदस्य की मेहनत का परिणाम मिला ।	भानेगॉव • मात्र सहयोगिनी समिति के अध्यक्ष/सचिव के साथ सेक्टर पर समस्त एम.एस.एस. साथ एक दिवसीय बैठक का आयोजन किया गया जिसमें निम्न चर्चा अनुसार निर्णय लिये गये । • समिति द्वारा पोषण आहार/मीनू चार्ट के आधार पर हितग्राही गर्भ/बच्चे की केन्द्र पर उपस्थिति बढ़ाने प्रयास करेंगी । • आगनबाड़ी केन्द्र पर पोषण आहार की गुणवत्ता सुनिश्चित करने समिति निगरानी रखेगी । • हर माह एक बैठक आयोजित कर समीक्षा की जायेगी । • मंगल दिवस पर आयोजन में उपस्थिती के साथ हितग्राही की उपस्थिति में मदद् कर गुणवत्ता बढ़ाने सहयोग किया जायेगा । • प्रति माह बैठक में कुपोषण/संस्थागत प्रसव/स्तनपान पर अनिवार्यतः सभी चर्चा करेंगे। • आवश्यकता पड़ने पर पंचायत के साथ समिति बैठक कर चर्चा करेंगे। • समिति द्वारा आशा कार्यकर्ता को शामिल कर सहयोग करने निर्णय लिया। • कुछ ग्रामो में आ.केन्द्र पर कार्यकर्ता की कार्यप्रणाली को लेकर एम. एस.एस परियोजना अधिकारी को जानकारी से अवगत कराया गया।

Model Custer Approach

स्थानीय स्वशासी ईकाईयों के साथ हस्तक्षेप

परियोजना के इस चरण में संस्था और केयर की आपसी सहमति से कुछ विशिष्ट प्रयासों को नवाचारों के रूप में देखते हुए व्यापक विचार विमर्श किये गये और तय किया गया कि छोटी सी अवधि में पंचायतों के साथ कुछ हस्तक्षेप किये जावें जिसमें पोषण और स्वास्थ्य के मुद्दों के अलावा अन्य आवश्यक विषयों को भी समाहित करते हुए कार्य किया जावे। पंचायती राज संस्थाओं के साथ सघन हस्तक्षेप को इस रूप में देखा गया कि चयनित पंचायतों के क्षेत्र में उन सभी सामूदायिक संगठनों और संस्थाओं के साथ ना सिर्फ पोषण और स्वास्थ्य पर अन्य विषयों पर भी बात की जावे, हम व्यापक अपेक्षित दृष्टिकोण ना अपनाते हुए सिर्फ एक हस्तक्षेप के तौर पर इसे देखा गया है क्योंकि दीर्घकालीन परिवर्तन के लिए सिर्फ पॉच माह के हस्तक्षेप पंचायत और ग्राम सभा के स्तर पर काफी नहीं हैं। चूंकि सी.डी.सी. इन क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति निरंतर बनाये रखेगी और सतत प्रयास करेगी जो पंचायती राज संस्थाओं को जवाबदेह बनने में मदद करे।

परियोजना में इस कार्य के लिए पंचायत समन्वयक की नियुक्ति परियोजना अनुबंध होने के पश्चात मई 2008 से की गयी और प्रथम दो माह में परियोजना समन्वयक द्वारा किये गये प्रयासों को इस प्रतिवेदन में शामिल किया गया है।

व्ही.एच.सी./सी.बी.ओ. बैठक

बैहर	लालबर्रा
गोहारा, कोपरो, सरेखा, भण्डेरी	रमपूरी, टेकाड़ी बघोली टेकाडी कंजई खैरलांजी धारावासी
• वी.एच.सी. की बैठक नियमित नहीं हो रही थी जिसे आगे वी.एच.सी. सदस्यों को नियमित बैठक करने प्रेरित किया गया । • आ.केन्द्र की सेवाएँ एवं स्वास्थ्य समिति को पोषण एवं स्वास्थ्य दिवस के महत्व की जानकारी पूर्ण नही थी उन्हें मुद्दों से जोडने का कार्य किया गया । • वी.एच.सी. के साथ समुदाय के लोगों को बैठक में जोड़ा गया जिसमें कुछ स्व सहायता समुह के सदस्य भी शामिल थे । • समितियों के पास कोई राशि खर्च हेतु नही थी साथ ही शौचालय, स्कूल स्वच्छता, आ.बा.केन्द्र पर अन्य व्यवस्था की जानकारी इन्हें नही थी ।	लालबर्रा विकास खण्ड के सभी वी.एच.सी., एस.एच.जी. और सामूदायिक संगठनों की बैठको में निम्न रूप से मुख्य बिन्दू पर बैठक ली गई । • ग्राम स्वास्थ्य समिति के बैठक में स्वास्थ्य व पोषण मुदा शामिल करना जिसमें कुपोषण बच्चो की देखभाल व गर्भवति माता कि देखभाल पर विशेष बैठक के दौरान चर्चा की गई। • महिला मण्डल के माध्यम से कुपोषण गर्भवति माताएँ को सेवाएँ आगनबाड़ी कार्यकर्ता व स्वास्थ कार्यकर्ता नियमित समझाइश सुनिश्चित करवाएँ । • एस.एच.जी. महिलाओं के माध्यम से कुपोषण से छुटकारा पाने नियमित रूप से पंचायत बैठक व ग्राम सभा में जाकर इन विषयो पर चर्चा हो ताकि वार्ड पंच द्वारा वार्ड में इस विषय पर काम कर सके । • लोगों द्वारा कहा गया कि उन्हें ऑगनबाड़ी से नियमित सेवाएँ नही मिल पाती है। और हमें इन सेवाओं का ज्ञान भी नही हैं । इस विषय पर उन्हें समझाईश दी गई ।

निर्णय

- महिलाओं ने कहा कि उन्हें कुपोषण क्या है। इसकी जानकारी नही थी लेकिन अब जानकारी होने पर इस विषय में मण्डल के आधार पर गॉव में कार्य करेंगें ।
- लोगो द्वारा ग्राम स्वास्थ्य समिति को सक्रिय करने कि बात कही गई एवं उन्हें समिति के दायित्व समझाने की बात कही ।
- कंजई महिला मण्डल द्वारा निर्णय लिया गया कि वह आगनबाड़ी कार्यकर्ता के साथ ग्रह करेंगी ।
- टेकाड़ी की ग्राम स्वास्थ्य समिति के कार्य के दायित्व व फण्ड का प्रस्ताव बनाया गया ।
- खैरगोंदी में समिति के सदस्यों द्वारा ग्राम पंचायत जाकर बात की ।

विकासखंड स्तरीय सचिव बैठक – बैहर /लालबर्रा

- ❖ मॉडल पंचायत बनाने का उद्देश्य एवं पोषण स्वास्थ्य में इनकी सहभागिता कहॉ कहॉ हो सकती है।
- ❖ पंचायत स्तर पर ग्राम स्वास्थ्य समिति की नियमित बैठक का आयोजन किया गया ।
- ❖ टीकाकरण दिवस पर पंचायत की उपस्थिती एवं कुपोषित बच्चों के लिए पंचायत द्वारा निगरानी सहयोग पर चर्चा की गई ।
- ❖ लालबर्रा के चीचगॉव साल्हे, टेकाड़ी, में पंचायत द्वारा सहयोग/पंचायत बैठक में इसकी समीक्षा की जा रही है।
- ❖ बैहर विकास खण्ड में बरवाही, भण्डेरी, जत्ता में गामसभा में चर्चा की गई ।

आंगनवाडी केन्द्र भ्रमण अनुभव

बैहर	लालबर्रा
• जत्ता, भण्डेरी बरवाही, मेडकी में पंचायत सदस्यों की केन्द्र पर उपस्थिती हो रही थी। • मॉडल पंचायत क्षेत्र की कार्यकर्ता ने ग्रामसभा/पंचायत बैठक में जाना प्रांरभ की है। • केन्द्र पर कुपोषण कम करने कार्यकर्ता सक्रियता से कार्य कर रही हैं जिनके द्वारा एस.एच.जी. और एम.एस.एस.को जोडा जा रहा है।	• चीचगॉव टेकाड़ी, बहियाटीकुर साल्हे एवं रानीकुठार में ऑगनवाडी कार्यकर्ता सक्रिय हैं जिनके द्वारा सी.बी.ओ. के साथ बैठक की जाती हैं। • पंचायत चीचगॉव टेकाडी , साल्हे रानीकुठार में कुपोषण पर ध्यान दिया जा रहा हैं। • टेकाडी में सामान्य ग्रेड के बच्चे 75 प्रतिशत से अधिक हैं जिसमें वृद्धि हो रही हैं।

वार्ड सभा

ग्राम पंचायत वार्ड	बैठक में कार्यवाही	निर्णय
मेंडकी : वार्ड नं. 05	• कुपोषण को लेकर वार्ड पंच से चर्चा के बाद कुपोषित बच्चों के परिवार से मिलकर उन्हें इसकी जानकारी दी गई । • किसी भी परिवार को कुपोषण एवं स्वास्थ्य व्यवहारों की जानकारी नही थी । • टीकाकरण दिवस में पंचो की उपस्थिती नहीं थी जिससे कई पंच से जानकारी दी गई । • स्वास्थ्य कार्यकर्ता व आ.बा.कार्यकर्ता का गृहभेट वार्ड में करवाने की बात रखी जिसकी समीक्षा वार्ड पंच द्वारा किए जाने की बात कही ।	• पंच द्वारा निर्णय में ए.एन. एम./ए.डब्ल्यू.डब्ल्यू. की गृहभेंट की निगरानी कही गई ।
कोपरो : वार्ड क्र. 06	• वार्ड में बैठक के दौरान आ.बा.कार्यकर्ता का गृहभेंट उस वार्ड में पिछले 4 महीने से नहीं हो पाई । • माहवार वार्ड में बैठक या गृहभेंट के दौरान वार्डवासियों को समझाईश दी जावे वार्ड वासियों को बताया गया । • टीकाकरण दिवस में पंचो की उपस्थिति के माध्यम से टीकाकरण की निगरानी । • स्वास्थ्य व पोषण के मुद्दों को नियमित रूप से पंचायत बैठक में चर्चा ।	• पंच द्वारा पंचायत बैठक में स्वास्थ्य व पोषण के मुद्दे रखने या बात कही । • कार्यकर्ता के साथ ए.एन.एम. की ग्रहभेट करने पंचायत द्वारा निर्णय लिए जावेगी ।
बैगाटोला	• वार्ड पंच द्वारा लोगो की बैठक ली गई जिसमें मुद्दे चयन किये गये। • कुपोषण द्वितीय ग्रेड में 6 बच्चे • उपरी आहार नियमित कर इसकी गुणवत्ता की जानकारी दी गई । • गॉव में पलायन की स्थिति को रोकने के लिए रोजगार ग्यारंटी विषय पर कार्य के लिए आवेदन करने हेतु आवेदन पत्र बांटे गए ।	• पंच द्वारा नियमित रूप से पोषण एवं स्वास्थ्य दिवस पर उपस्थिती एवं विषय को समझने की बात कही । • लोगों द्वारा कहॉ गया कि उन्हें अब इस विषय पर काफी जानकारी मिली हैं ।

ग्राम / वार्ड	मुद्दे	बैठक के दौरान प्रतिक्रियाएं
टेकाड़ी : वार्ड क. 02	• टीकाकरण दिवस में पंचायत की भूमिका एवं उनकी पोषण एवं स्वाास्थ्य विषय में समझ । • टेकाडी ग्राम में 3 बच्चे तृतीय ग्रेड में तथा गर्भवति महिला का 48 कि.ग्रा. से कम वजन को लेकर वार्ड की अन्य समस्याएूं के साथ बैठक । • कुपोषण को क्रय करने में पंचायत के वार्ड पंच की भूमिका जैसे – आगनबाड़ी कार्यकर्ता का नियमित ग्रहभेट टीकाकरण में दिवस में उचित सेवाऍ आदि ।	• वार्ड पंच द्वारा टीकाकरण दिवस में पंचायत की उपस्थिती को लेकर वार्ड पंच द्वारा पंचायत बैठक में चर्चा की जावेगी ।
चीचगॉव : वार्ड क्र. 07	• वार्ड सभा की शुरूआत के मुद्दे मुख्य रूप से कुपोषित बच्चे, गर्भवती माता की देखभाल एवं वार्ड में फेली गंदगी के कारण बिमारीयॉ थी । • वार्डवासी के साथ कुपोषण से हानियॉ जैसे बच्चे का वजन कम मानसिक रूप से कमजोर तथा बच्चो को दी जाने वाली मात्रा गुणवत्ता व बारम्बारता पर चर्चा की गई ।	• लोगों द्वारा कहा गया कि आ.बा. में मिलने वाली सुविधाऍ की जानकारी हमे नही थी जिसमें आज हमे काफी जानकारी मिली । • वार्ड पंच द्वारा अपने वार्ड में इस मुद्दे में करने की बात कही गई ।

ग्राम नवेगॉव में सामूदायिक स्वास्थ्य हेतु सामूदायिक सहभागी ग्रामीण आंकलन एवं स्वास्थ्य नियोजन

ग्राम स्वास्थ्य नियोजन की पहल पहली बार ग्राम पंचायत टेकाडी के ग्राम नवेगॉव में प्रारंभ की गयी, नवेगॉव लालबर्रा विकासखंड मुख्यालय से लगभग 20 किमी की दूरी पर जंगलों के बीच स्थित छोटा सा गॉव है। इस पूर्णतः आदिवासी ग्राम में दो दिनों के सघन भ्रमण एवं समुदाय के साथ बैठकों के पश्चात निर्णय लिया गया कि लोग मिलकर पहले गॉव के संसाधनों का आंकलन करेंगे और उसके बाद स्वास्थ्य नियोजन किया जावेगा। इस प्रकिया में प्रथम चरण अर्थात संसाधनों के आंकलन की प्रकिया प्रारंभ की गयी है जिसके कुछ बिंदु नीचे दिये गये हैं, अगले चरण में हम इस गॉव के लिए स्वास्थ्य नियोजन की प्रकिया को प्रारंभ किया जावेगा और गॉव के लिए एक दस्तावेज बनाया जावेगा जिससे वे इस आधार पर कार्य संपादित कर अपने स्वास्थ्य के स्तर को बेहतर बना पायेंगे।

- नवेगॉव में स्वास्थ्य व पोषण का स्तर बहुत कमजोर भी एवं आ.बा. कार्यकर्ता द्वारा भी सुविधाएँ नही दी जा रही थी तथा गॉव अन्य समस्याएँ भी बहुत पाई गई।
- ग्राम वासी के साथ बैठक कर इनके द्वारा सामाजिक नक्शा तैयार किया गया ।
- इस नक्से के माध्यम से ही गॉव की समस्याओं को उन्ही के द्वारा चिन्हित किया गया जैसे –
- स्वास्थ्य केन्द्र में कार्यकर्ता न होने के कारण कभी नही खुलना।
- रोजगार का अभाव
- आ.बा. कार्यकर्ता को जानकारी के अभाव के कारण स्वास्थ्य समझाइश नही मिल पाती ।
- बच्चो में बीमारियॉ स्वच्छता के अभाव के कारण ।
- इन सारी समस्याओं के निराकरण के लिए समझाईश दी गई एवं ग्राम में सभी के मत के द्वारा स्वास्थ्य कार्ययोजना बताने की बात रखी ।
- ग्राम सभा के माध्यम से स्वास्थ्य कार्ययोजना बनाने की बात सभी के माध्यम से की गई।
- पंच द्वारा आ.बा. की सेवाओं को समझाने के बाद नियमित रूप से निरीक्षण करने की बात कही गई ।

ग्राम नवेगॉव में संसाधन आंकलन करते समुदाय के लोग

Advocacy Initiatives

स्वास्थ्य और पोषण पर पैरवी

परियोजना में विगत वर्षों में ग्रेजयूएशन और फेस आउट विकासखंडों में स्थापित व्यवस्थाओं के सुदृढ़ीकरण और स्थायित्व को सुनिश्चित करने हेतु केयर की रणनीति के मुताबिक परियोजना अनुबंध के इस अंतिम चरण में कार्य करने का निर्णय लिया गया। यह संभव और साथ ही व्यवहारिक भी नहीं था कि कोई एक व्यक्ति जिले के सात विकासखंडों में प्रकियाओं पर नजर रख सके और साथ ही केंद्रों की स्थिति को विकासखंड और जिले स्तर पर सुधार हेतु रख सके। अतः सुनिश्चित किया गया कि विकासखंड और सेक्टर स्तर पर उपलब्ध व्यवस्थाओं को देखा जावे और उनमें प्रयास किये जाये जिससे एक अंतराल में जो शिथिलता दिखायी देती है उसे दूर किया जावे।

मई 2008 से पैरवी समन्वयक के रूप में संस्था के स्टॉफ ने कार्य प्रारंभ किया और प्रयास किया कि इन विकासखंडों में जहॉ हमारी उपस्थिति लगभग 6 माह से 1 वर्ष के बीच नहीं रही है, देखा जाये कि स्थापित की गयी व्यवस्थाएं किस रूप में संचालित हो रही हैं। दो माह के प्रयासों के पश्चात अनुभव हुआ कि किसी विकासखंड में कुछ व्यवस्थाएं बेहतर रूप से स्थापित हुई हैं तो कहीं अपेक्षा से अधिक शिथिलता है। विकासखंड और सेक्टर स्तर पर किये गये कार्यों से एक गति आती तो दिखायी देती है पर हम इसकी सुनिश्चितता की दिशा में उठ रहे कदम नहीं कह सकते।

सचिव बैठक

कटंगी, बालाघाट, लालबर्रा

- ब्लाक स्तर पर सचिव बैठक में उपस्थित होकर पोषण एवं स्वास्थ्य पर चर्चा की गई
- कटंगी बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा पंचायतो के टीकाकरण एवं लाड़ली लक्ष्मी योजना की जानकारी दी गई एवं केन्द्रो के लिए भवन व्यवस्था की समीक्षा की गई ।
- कटंगी/लालबर्रा में पंचायतो को ग्रामसभा पंचायत बैठक में चर्चा के लिए प्रेरित किया गया ।
- लालबर्रा जनपद बैठक में प्रमुख रूप से माडल पंचायत में पंचायत द्वारा भी सहभागिता सहयोग की चर्चा की गई इससे सभी को प्रेरित करने का प्रयास किया गया ।

बाल संजीवनी

खैरलांजी : बाल संजीवनी अभियान के दौरान भ्रमण में कुछ केन्द्रों पर विटामिन 'ए' के पात्र एवं टीकाकरण के पात्र सही दर्ज एवं संधारित नही थे। पर्यवेक्षक से चर्चा कर सुधारने प्रयास किया ।

कटंगी : ऑगनवाडी केन्द्रों पर गृहभेंट एवं मंगल कार्यक्रम में गुणवत्ता की कमी थी जिसमें परियोजना अधिकारी से चर्चा की गई। यहॉ टीकाकरण एन.एच.डी. एवं कुछ केन्द्रो पर गृहभेंट हो रहा है।

किरनापुर : एन.एच.डी. के दौरान भ्रमण में ए. एन.एम. द्वारा टीकाकरण परामर्श दिया गया अभियान के दौरान विटामिन – ए, आशा द्वारा पिलाया गया था।

परसवाड़ा : सभी हितग्राही तक कार्यकर्ता टीकाकरण, पोषण आहार देने प्रयास कर रही हैं किन्तु चिखलाझोडी के सेक्टर के कुछ केन्द्रों पर 6–6 माह से टीकाकरण में कभी देखी गई एवं केन्द्रो पर रिकार्ड सही संधारित नही मिले । जिसमें समय पर टीकाकरण वीटामिन – ए एन.एच.डी. पर परामर्श सत्र नही हो पा रहा हैं

विभागों के साथ पैरवी

विकासखंड	महिला एवं बाल विकास विभाग	स्वास्थ्य विभाग
बिरसा	बाल संजीवनी भ्रमण अनुभव के आधार पर कार्यकर्ता में सुझाव दिये गये ।	बी.एम.ओ. के साथ सेक्टर मण्डई में बैठक की गई जिसमें नवजात कम वजन की देखभाल पर ब्लाक में सभी कार्यकर्ता को सक्रिय करने एवं एन.एच.डी. पर सत्र लेने निर्देश की बात कही ।
किरनापुर	खण्ड स्तर पर बी.एल.ए.सी. एवं सेक्टर स्तर पर संयुक्त बैठक का आयोजन प्रांरभ किया गया ।	संयुक्त ग्रहभेट किया जा रहा एन.एच.डी. सत्र पर परामर्श सत्र एवं विटामिन ए.एन.एम. द्वारा पिलाया गया।
वारासिवनी	परियोजना अधिकारी द्वारा अभियान में भ्रमण किया जिसमें मंगल कार्यक्रम एवं परामर्श की महत्ता पर चर्चा की गई ।	ए.एन.एम. द्वारा एन.एच.डी. रोस्टर में सुधार किया गया ।
	खण्ड स्तर पर बी.एल.ए.सी. आयोजित की गई।	अभियान के दौरान सेमेस्टर टीकाकरण एवं वीटा स्वयं द्वारा पिलाया कुछ केन्द्रों पर संयुक्त चर्चा बैठकें की जा रही है।

सेक्टर बैठकें

सेक्टर	मुद्दे	प्रभाव
बुदबुदा विकासखंड वारासिवनी	• निर्धारित सत्र का आयोजन । • पोषण व स्वास्थ दिवस का प्रभावपूर्ण संचालन । • सेक्टर स्तर पर सयुक्त बैठकों का आयोजन व रिकार्ड मिलान। • मंगल दिवस का गुणात्मक संचालन व समुदाय की सहभागीता हो। • आगनबाड़ी केन्द्रों पर पोषण व स्वस्थ से सम्बधित चार्ट – पोस्टर का प्रदर्शन। • अनौपचारिक शिक्षा व बच्चों की उपस्थिती । • दलवार बैठकों का आयोजन व रिकार्ड समीक्षा । • आगनबाड़ी कार्यक्रमों में पंचायत सदस्यों की उपस्थिति । • आशा व ए.एन.एम. के सयुक्त प्रभावी गृहभेट । • एन.एच.डी. के दिन बी.पी. /ए.एन.सी./ वजन/उचाई जांच व कार्ड पर इसका उल्लेख। • मान सहयोगनी समिती को सक्रीय करना । • सम्पूर्ण स्तनपान पर शेल–प्ले। • मांगपत्रक का उपयोग।	• प्रतिमाह वार्षिक केलण्डर के आधार पर सत्र आयोजन हो रहा है । • कुछ केन्द्रों पर पोषण व स्वास्थ दिवस का प्रभाव संचालन हो रहा है। • प्रतिमाह सेक्टर स्तर पर सयुक्त बैठक का आयोजन हो रहा है । जिसमें स्थानीय आशा कार्यकर्ता की उपस्थिति रहती है । • सेक्टर सुपरवायजर द्वारा भ्रमण दौरान कुछ केन्द्रों पर अनौपचारिक बच्चों की उपस्थिती व शिक्षा का अच्छा स्तर देखा गया । • दलवार बैठकों में दलनेता द्वारा रिकार्ड मिलान व समीक्षा की जा रही है । • सम्पूर्ण सेक्टर स्तर पर टीकाकरण पूर्व मांगपत्रक का उपयोग किया जा रहा है ।
मोवाड़ विकासखंड खैरलांजी	• निर्धारित सत्र आयोजन । • एन.एच.डी. का गुणवत्ता पूर्ण संचालन । • सयुक्तगृहभेट ए.एन.एम. व आगनबाड़ी कार्यकर्ता की । • मांगपत्रक का उपयोग । • दलवार बैठकों का आयोजन । • मंगल दिवस दौरान जीवन की आशा भाग 1 व 2 का उपयोग । • सेक्टर स्तर पर महिला जागृति शिवीर का आयोजन। • आहार–किट का प्रयोग । • रिकार्ड समीक्षा ।	• सत्र आयोजन ही रहा है । • सेक्टर सुपरवायजर अनुसार 4 केन्द्रों पर एन.एच.डी. का गुणवत्ता पूर्ण संचालन देखा गया । • कुछ केन्द्रों पर आहार–किट के माध्यम से अनाज प्रगति किया जा रहा । • रिकार्ड संधारित ही रहा है ।

खण्डस्तरीय – बैठक

विकासखंड	मुद्दे	प्रभाव
कटंगी दिनांक 06/06/2008	• जुलाई माह से सभी सेक्टरों पर सयुक्त बैठक स्वास्थ्य और महिला बाल विकास विभाग का आयोजन किया जायेंगा, जिसमें ए.एन.एम., आंगनवाडी कार्यकर्त्ता, पर्यवेक्षक की उपस्थिती रहेगी । जो अनुपस्थित रहेगा उस पर कार्यवाही की जायेगी । विकासखंड चिकित्सा अधिकारी और परियोजना अधिकारी ने सभी कर्मचारियों को आदेशित किया। • बाल संजीवनी में छूटे हुये बच्चों को विटामिन–'ए' पिलाया जाये । • ए.एन.एम., आंगनवाडी कार्यकर्त्ता संयुक्त महत्वपूर्ण परिणामजनक गृहभेंट करें। जिसका चिन्हाकन आंगनवाडी कार्यकर्त्ता करें । • एन.आर.एच.एम. के अंतर्गत तीसरे और चौथे ग्रेड गंभीर कुपोषित बच्चों के लिए 15 दिवसीय पोषण पुर्नवास केन्द्र की शुरूआत ।	• सेक्टर स्तरीय संयुक्त बैठकों के लिए प्रत्येक सेक्टर स्तर पर दिन निर्धारित। • कुछ जगहों पर ए.एन.एम., आंगनवाडी संयुक्त भ्रमण देखा गया। • मंगल दिवस पर गोद–भराई के साथ प्रसव योजना तैयार करवाई जा रही है।
किरनापुर दिनांक 06/06/2008	• एन.एच.डी. पर नया रोस्टर बनाने का आदेश बी.एम.ओ. ने सभी ए.एन.एम. को दिया । • संयुक्त सेक्टर स्तरीय बैठक की आयोजन तिथी निर्धारित की गई। • खण्डस्तरीय बैठक मेंआई.सी.डी.एस. से पर्यवेक्षक व दलनेता तथा परियोजना अधिकारी तथा स्वास्थ्य विभाग से बी.एम.ओ. एल.एच.वी. और ए.एन.एम. की उपस्थिती रहेगी यह बी.एम.ओ. व सी.डी.पी.ओ. द्वारा कहा गया । • प्रत्येक सेक्शन में बैठकों का आयोजन किया जाना है । जिसमें स्थानिय आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, ए.एन.एम. आशा, दाई व माब सहयोगनी समीती तथा स्वास्थ सुरक्षा समीती की उपस्थिती रहेगी। • प्रत्येक माह ब्लाक स्तरिय सयुक्त बैठकों का आयोजन किया जना है । जिसका निर्धारण स्वास्थ्य विभाग द्वारा किया जायेगा व इसकी सूचना महिला एवं बाल विकास विभाग को एक सप्ताह पूर्व दे दी जायेगी । • रवा बाल संजीवनी अभियान जहां नही हो पाया है, ए.एन.एम. तथा आंगनवाडी कार्यकर्त्ता साझा कार्ययोजना तैयार कर संचालित करें। • बड़गांव व बुढी सेक्शन में केच–अप राउंड के माध्यम से टीकाकरण करवाया जायेगा ।	• ए.एन.एम. द्वारा नई आगनबाड़ी केन्द्र को सेक्टर भी शामिल किया गया • है, व टीकाकरण किया जा रहा है । • सेक्टर स्तरीय संयुक्त बैठकों का आयोजन किया जा रहा है तथा पोषण व स्वास्थ की सम्मिलीत किया जा रहा है । • एन.एच.डी. का संचालन कुछ जगहों पर काफी अच्छा देखा गया । • बड़गांव व बुढ़ी सेक्शन में केचप राउंड के माध्यम से टीकाकरण करवाया गया ।
वारासिवनी दिनांक 12/05/2008	• बी.एम.ओ. द्वारा सभी ए.एन.एम. को आदेशित किया गया वह समय पर टिकाकरण के दिन केन्द्र पर पहुंचे व टीकाकरण सम्पादित करें। • उपस्वास्थ केन्द्र पर ए.एन.एम. व एम.पी.डब्ल्यू की उपस्थिती अनिवार्य प्रतिदिन। • आगनबाड़ी कार्यकर्ता व ए.एन.एम. की परिणामजनक महत्वपूर्ण गृहभेट होना अनिवार्य जिसकी समीक्षा सयुक्त सेक्टर बैठक में की जायेगी। • 12 वें बाल संजीवनी अभियान की साझा कार्ययोजना की जानकारी ए.एन.एम. और आंगनवाडी कार्यकर्त्ताओं को दी गई तथा विटामिन – 'ए' संबंधी तकनीकी जानकारी दी गई । • सेक्टर स्तरीय संयुक्त बैठक की जानकारी ब्लाक पर लाकर दें बी. एम.ओ. व सी़डी.पी.ओ. ने कहा । • सभी आगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को मेडीसीन किट दिया गया । • एन.आर.सी.ए. कार्यक्रम के अन्तर्गत तृतीय तथा चतुर्थ ग्रेड गंभीर कुपोषित बच्ची का ईलाज वारासिवनी में किया जाता है ।	• खापा, महाराजपुर में विटामिन– 'ए' का कुशल संचालन देखा गया । • कुछ जगहों पर आगनबाड़ी कार्यकर्ता व ए.एन.एम. की सयुक्त गृहभेंट ही रही है। • सेक्टर स्तर पर परिणामजनक सयुक्त सेक्टर बैठकों का आयोजन किया जा रहा है ।

ग्राम पंचायत बम्हनी के ग्राम मुक्की में धात्री महिला हैं जो कि यहॉ का क्षेत्र पूर्णतः आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र हैं यहॉ के लोगों का मुख्य व्यवसाय मजदूरी करना एवं बाहर के नगरो में पलायन करना हैं महिला पॉचवी कक्षा तक पढ़ी हैं । महिला श्रीमती बुद्धोबाई पति हिन्दू जाति गोंड़ व्यवसाय मजदूरी करके अपना पालन पोषण करते हैं ।

इस महिला ने अपना गर्भ का पता होते ही आंगनबाड़ी केन्द्र में जाकर अपना पंजीयन १०.०१.०८ को मुक्की केन्द्र में पंजीयन कराई और १६.०२.०८ को पहला टी.टी. का टीका एवं दूसरा टी.टी.का टीका १८.०३.०८ को लगाई एवं आयरन की गोली बी.पी., एच.बी. टेस्ट वजन सारी सेवाऍ एवं महिला की गोद भराई भी की गई । गोद भराई के दौरान महिला को प्रसव योजना बनाई गई जिसमें महिला ने अपना समय के साथ आय इसके लिये पैसो की बचत को वाहन की व्यवस्था भी की अस्पताल को चिन्हित की एवं आशा कार्यकर्ता को सूचना दी कि मैं अपनी डिलेवरी अस्पताल में ही कराऊँगी जिसके कारण महिला ने अपनी ए.एन.एम. के द्वारा ३ जॉच कराई ।

दिनांक १८.०४.०८ को जननी एक्सप्रेस के वाहन से अस्पताल में भर्ती कराया गया और सांय ६ बजे महिला ने एक स्वस्थ्य बच्चे को जन्म दी बच्चा ३ किलो का था बच्चे को तुरन्त स्तनपान कराया गया और नाल पर कुछ

कार्यकर्त्ता के प्रयास

ग्राम छिन्दीटोला में एक गर्भवती महिला श्रीमती सन्तुरा बाई पति राम सिंह जाति गोंड हैं इस महिला के पहले से एक बच्चा हैं जिसकी डिलेवरी पहले बच्चे के समय पर घर में ही कराये थे किन्तु इस वक्त महिला फिर से गर्भधारण करके ९ माह का अंतिम समय चल रहा था उसी बीच महिला को प्रसव पीडा शुरू हो गई महिला एवं घर के लोगो में अंध विश्वास भरा हुआ था जब महिला को दर्द बढ़ते गया तब रामसिंह ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को बुलाकर लाया और कार्यकर्ता निर्मला ने महिला की स्थिति को देखकर एवं पेट की जॉच की तो बच्चा पेट में आड़ा हो गया था । महिला बहुत परेशान हो चुकी थी, कार्यकर्ता ने उसके पति के साथ ए.एन.एम. बहन के पास गई ए.एन.एम. भी घर में नही थी समय धीरे-धीरे बढ़ता जा रहा था महिला की स्थिति नाजुक होती जा रही थी, बहुत अधिक समय के होने के कारण कार्यकर्ता के द्वारा आटो लाया गया एवं आटो से अस्पताल में भर्ती कराया गया । आगनबाड़ी कार्यकर्ता ने बैहर अस्पताल में भर्ती कराने के पश्चात भी तीन दिन के बाद दिनांक १२.०३.०८ को महिला ने एक बच्चे को जन्म दी जिससे मॉ और बच्चा दोनों ही अच्छे थे । बच्चा २.५ किलो ग्राम का था ।

इस तरह आगनबाड़ी कार्यकर्ता ने मॉ एवं बच्चे को एक नया जीवन दी यदि कार्यकर्ता नही होती तो मॉ की मृत्यु हो जाती क्योंकि घर के लोग अस्पताल लाना नही चाहते थे जिसके कारण गर्भवती महिलाओं को इतना कष्ठ उठाना पड़ा ।

ऑगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती निर्मला उइके को मॉ को प्रसव होने से एवं स्वस्थ्य बच्चे को देखकर बहुत खुश होती हैं और वो बताती है कि मेरे थोडे से प्रयास से मॉ बेटे को नया जन्म मिल सका ।

ऑगनबाडी केन्द्र छिन्दीटोला की कार्यकर्ता श्रीमती निर्मला उइके के द्वारा दो कुपोषित बच्चो की देखभाल एवं निगरानी की गई जिसमें दो बच्चे पहला बच्चा अंकित, एवं राजेश था दोनो ही बच्चे तृतीय ग्रेड में थे । ऑगनबाड़ी कार्यकर्ता ने विधि प्रदर्शन के दौरान अनाज किट तैयार करके, अंकित एवं राजेश के लिए चना मूंगफली अनाज, तेल सब्जी आदि का प्रयोग करके उनके माता-पिता श्रीमती ललीता पति गौरसिंह, राजेश सतुराबाई मुख्य सिंह दोनों को बच्चों के कुपोषण की जानकारी दी कि तुम्हारे बच्चे का ध्यान नही दिये तो बच्चा बहुत ज्यादा कमजोर हो जायेगें किन्तु मॉ बाप ने आ.बा. कार्य की बात पर उन्होने अपने बच्चे पर ध्यान देना शुरू किया । ऑगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती निर्मला उइके ने शिविर में दोनों बच्चों की जॉच कराई निशुल्क दवा दी गई, वजन क्रमी की गोली आयरन की गोली एवं समय समय पर ए.एन.एम. का भ्रमण सुनिश्चित की गई जिसके चलते बच्चों के पोषण में अंतर आने लगा कार्यकर्ता के द्वारा इन बच्चों के घर में मातृ सहयोगिनी समिति एवं सी.बी.ओ. सदस्यों के साथ जीवन को आशा भाग १ व २ के साथ संतुलित आहार एवं हरी सब्जी पूरक पोषण आहार एवं उनके नियमित आहार को बनाये रखने पर पूर्णत: निगरानी की गई जिसका परिणाम यह हुआ कि दोनो ही बच्चे तृतीय ग्रेड से द्वितीय ग्रेड में आ गये और वर्तमान समय में वजन में वृद्धि लगातार हो रही है एवं निगरानी की जा रही है।

बैगा जनजाति और स्वास्थ्य सेवाएं

बैहर से लगभग १५ कि.मी. की दूरी पर ग्राम पंचायत गोहारा के ग्राम बैगाटोला हैं जिसमें पूरे ग्राम में २० घरो का मोहल्ला हैं जिसमें पूरे बैगा जाति के लोग रहते हैं जिनका मुख्य व्यवसाय मजदूरी करके अपना दिन काटते हैं लोग अधिकांश बांस के समान बनाकर बैहर नगर बेचकर अपना व्यवसाय करते है,

इसी ग्राम में एक महिला गर्भवती नाम सुकवारो बाई पति समेलाल दोनों पति पत्नि रहते थे इनके ४ बच्चे की मृत्यु हो चुकी थी किन्तु इनमें कभी भी पास में संचालित आंगनबाडी केन्द्र में पंजीयन नहीं कराई और न ही कोई सेवा ली । किन्तु दिनांक ०९.१२.०७ को गोहारा के ग्रम बैगाटोला में एक बैठक ली गई बैठक में बुलाने पर बाई जंगल में भाग गई तब पूरी बैगा महिलाओं ने बुलाकर सुकवारो बाई को आंगनबाड़ी केन्द्र में लाया गया और आंगनबाड़ी केन्द्र में पंजीयन कराया गया जिसके चलते बाई ने ०८.०१.०८ को पहला टीका लगाई और १२.०२.०८ को दूसरा टी.टी. का टीका लगाई और आयरन की १०० गोली भी खाई आगनबाड़ी कार्यकर्ता ने समय-समय पर ग्रह भेट दी। ग्रहभेंट एवं समय-समय पर समझाईश के कारण सुकवारो बाई को प्रसव पीडा के समय उसके पति ने बहन जी के पास जाकर सूचना दिया और अपनी पत्नी को बैहर अस्पताल में ले जाकर प्रसव कराया गया प्रसव १५.०४.०८ को प्रात: ५ बजे एक स्वस्थ्य बच्चे को जन्म दी बच्चा ३ कि.ग्रा. का था बच्चे को तुरन्त स्तनपान एवं गर्म रखने की समझाईश दी । बच्चे को बी.सी.जी. १०.०६.०८ को लगाया गया ।

इस तरह यह महिला टीका लगाने के लिये दूर भागती थी किन्तु वर्तमान समय में बच्चे का टीकाकरण एवं वजन नियमित सेवाऍ आगनबाड़ी केन्द्र से लेना सुनिश्चित किया गया।

आंगनवाडी कार्यकर्त्ताओं की कलम से

एक कहानी दर्द भरी

एक दिन की बात है कि एक नवजात शिशु को लेकर उसकी नानी आंगनबाड़ी केन्द्र वार्ड नं. ५ बैहर में पहुँची, मैंने नवजात शिशु की नानी को नमस्ते की एवं बच्ची के बारे में विस्तार से पूछी तो नानी ने जवाब दिया कि यह मेरी बेटी की लड़की है, इसकी माँ प्रसव के बाद तुरन्त ग्राम दुधी (बिरसा) स्वास्थ्य केन्द्र हो जाते समय मृतलोक को चली गई, एवं शिशु के पिता जयप्रकाश अधिक शराब की लत के कारण बच्चे की देखभाल नहीं कर सकते । इस कारण मैं बैहर में लेकर आ गई हूँ। मैने तुरन्त बच्ची का वजन ली बजन मात्र दो किलो ग्राम निकला फिर मैने नानी को वजन कार्ड में समझाईश दी, कि बालिका कुपोषित है, फिर मेरे समझाईश देने पर बच्ची को हर माह टीकाकरण कराने बजन लेने के लिए ऑगनबाड़ी में लाने की सलाह दी । टी.एच.आर. के माध्यम से बच्ची का वजन भी बढ़ा । सीमा मिश्रा ए.एन.एम. एवं रामटेके ए.एन.एफ. से ऑपरेशन कराने के लिये भिलाई ले जाने की सलाह दी । ऑपरेशन हेतु भिलाई ले जाया गया । परन्तु वहॉ भी आपरेशन न होकर पेट का ऑपरेशन करके पाईप द्वारा लैटरिंग कराया जाता है । पुन: सीमा मिश्रा ए.एन.एफ. एवं दमयनी रामटेके ए.एन.एम. एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता विमला के ग्राम संयुक्त रूप से ग्रह भेंट के लिये गये तथा बच्ची को पुन: देखभाल करने के बाद बच्ची का वजन चौथे ग्रेड से प्रतिमाह ०८/०२/२००८ से लेकर प्रतिमाह लेते रहने पर एवं विशेष देखभाल में करते रहने पर अब तत्काल माह जून २००८ में बच्ची का वजन १३ किलो हुआ वजन कार्ड में भरने पर ताई की अब कोई घबराने की बात नहीं है। अब आपकी नातीन कु. शैफाली सामान्य ग्रेड में चली गई नानी एवं मामा ने ए.एन.एफ सीमा मिश्रा एवं डी. रामटेके तथा कार्यकर्ता विमला मेश्राम को बहुत-बहुत धन्यवाद दिये ।

विमला मेश्राम

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता
वार्ड क्र. ५ बैहर

आंगनवाडी कार्यकर्त्ताओं की क्षमता वृद्धि ना सिर्फ सेवाओं को देने में बढ़ी है बल्कि अपने कामों को अलग नजरिये से देखना भी शुरू किया है संस्था ने कार्यकर्त्ताओं को उनके अनुभवों को लिखने हेतु भी प्रोत्साहित किया इन्हीं कुछ अनुभवों को कार्यकर्त्ताओं की लेखन शैली में ही प्रस्तुत किया जा रहा है

''बात जो दिल को छु ले''

एक दिन सुबह जब मैं घर में सभी कार्यो को अंजाम देने के बाद तैयार होकर स्कुल पहुँची स्कुल की सीढ़ियों में बैठकर किसी के आने का इंतजार कर रही थी कि अचानक अन्दर से आवाज आई बहनजी मंटी के घर कल रात में लड़का आया है। मैनें जैसे ही सूना तो मैं उठकर अन्दर चली गई और जन्म पंजी हाथों में वजन लेने की मशीन तथा बच्चे को लटकाने के लिए चड्डी और गृहभेट समझाने का का थैला व जीवन की आशा भाग 2 लेकर चलपड़ी चलते–चलते मैंने देखा की सभी मेरे स्कुल के बच्चे हाथों टिफीन लेकर रंग–बिरंगें कपड़े पहनकर एक–दूसरे भाई–बहन का हाथ पकड़ कर चले आ रहे थे । अचानक मुझे आता देख सहयाकर नमस्ते मेडम जी और कुछ हंसकर बहनजी नमस्ते कहकर चले जा रहे थे सब की बाते सुनते हुए नमस्कार लेते हुए जैसे ही मैं मंटी के घर पहुँची मैंने देखा की कोई दर्द के बारे कराह रहा है और उस तड़प में कह रहा है कि कोई मेरी मदद करो दरवाजे की सांकल को टकटकातें हुए मेनें कहा मंटी दीदी क्या कर रही हो जैसे ही उसने मेरी आवाज सुनी और दर्द भरी आवाज में कहने लगी बहनजी दीदी अन्दर हूँ मैं तुम यहीं आ जाओं जब मैं अन्दर गई तो मुझे कुछ दिखाई नहीं दे रहा था चारों ओर से फैला काला अंधेरा ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो कोई काल अपना मुँह फैलाए हुए मेरा इंतजार कर रहा हो मैने बाजू घर से माचीस एवं चिमनी मांगा और दीपक जलाकर रोशनी की मैने क्या देखा की मंटी नीचे जमीन पर थोड़ा सा पैरा डालकर उस पर एक फटी कथरी का टुकड़ा बिछाकर और पास में दो लकड़ी में आग टिम–टिम जलाकर जिसमें सिर्फ धुआं ही निकल रहा था कि पास एक गंदी साड़ी के कपड़े से बच्चे को लपेटकर लेटी थी और दर्द से तड़प रही थी । मैने कहा मंटी दीदी क्या हो गया उसने कहा बहनजी में बच्चे को एक तरफ का दुध नहीं पिला पा रही हूँ मैनें कहॉ क्यों क्या हो गया है । उसने बड़े झिझकते हुए कहा बहनजी मेरे छाती में दर्द हो रहा है, और घाव हो गया है मुझे अंधेरे में कुछ दिखाई नहीं दे रहा था मैने दिया उसके पास ले जाकर देखा तों मैं एक दम अचम्भें में रह गई मैनें सहमते हुए कहा दीदी कृपया कर थोड़ी देर उजाले में चलो मैं देखू तो आपको हुआ क्या है । मंटी जैसे ही बाहार आई मैने क्या देखा कि उसके दोनों छाती के स्तनों पर बड़े–बड़े छेद हो गयें है और उनसे दुध वह रहा है मैनें कहा बच्चा दुध कहा वे पी रहा है । उसने कहा मैं पिला रही हूँ मैने उसें कहॉ तुम अपना दुध मत पिलाना और गाय का दुध लेकर पिलाना मैने उसके साड़ी का पल्ला लेकर उसमें स्तनों को बांध दिया क्योंकि गंदगी के कारण मक्खी तंग कर रही थी । मैने बच्चे का पंजीयन पंजी में किया और वजन लिया बच्चे का वजन 3.200 कि. ग्रा. था फिर मैने पूछा कि आप डॉक्टर के पास क्यों नहीं गये तो उसने कहॉ नही बहनजी अभी तो मैंने घाव पतवा का पत्ता पिसकर लगाई हूँ ठीक हो जाएगा मैने कहा नहीं दीदी इससे ठीक नहीं होगा आप कल भैया को लेकर मेरे साथ अस्पताल चलना मैं आपको डॉ. को दिखा दूँगी उतने मे उनके पति आ गये मैंने नमस्ते लिया और कहॉ भैया दीदी की स्तनी हालत खराब हो गई है । और आप अस्पताल क्यों नहीं ले गये उसने कहा नहीं बहनजी जड़ीला पिसकर लगा दिए है ठीक हो जायेगा मैने कहा नही भैया में ऐसे ठीक नहीं होगा आ तैयार होकर चलिये मैं आपको लेकर चलती हूँ बहुत समझाया तब की जा कर तैयार हुए और कहॉ ठीक है । आप अभी मेरे साथ चलों मैं तुरंत स्कुल लौटी और बाई को बुलाकर तुरंत मंटी को लेकर अस्पताल आ गई पहले तो शुक्ला दीदी से सम्पर्क किया और सभी बाते विस्तार से बताया और मंटी के दर्द को दिखाया दीदी ने तुरंत चिट्ठी बनवाई और हमने डॉ0 कुमरे को दिखाया डॉ. ने देखते ही कहॉ कि स्तन कैंसर है । आप बालाघाट जाओ बस दो प्रकार की गोली लिखकर फुर्सत हो गये मुझे कुछ संतुष्टी नहीं हुई मैने अपनी सुपरवाइजर मेडम से इस बारे में बात किया उन्होंने कहॉ कल बालाघाट के डॉ0 आ रहे है, दिखा देना हम लोगों ने मंटी के पति को कहा कि आप बालाघाट लेकर जाओं और दिखा देना उसने साफ मना कर दिया और कहॉ मुझे नहीं जाना है मेरे पास पैसा नहीं है । सिस्टर दीदी ने तुरंत पैसा निकलकर दिया तो वो दूसरे दिन ले जाने को तैयार हुआ मैने कहा आठ बजे आ जाना तो हो कहकर चलें गये जब मेरी मेडम ने कहॉ कि कल शिविर में बड़े–बड़े डॉ0 आयेगे तो मैने सुबह जल्दी तैयार होकर उसकी रास्ता देख रही थी तभी मंटी और पति आए मैने कहा आप पहले मेरे पहचान के भैया डॉ0 लिल्हारे आए हुए उनके पास दिखा दो फिर वे क्या कहते है तों देखेगे यही बात सिस्टर दीदी से भी कही हम दानों मिलकर उसे लिल्हारे जी के पास ले गये और चेक करवाये तो लिल्हारें जी ने कहां सिस्टर इसे तो साधारण टी.वी. है । आप उसका इलाज शुरू कीजिए ठीक हो जाएगी । फिर हमने उसकी मेड़ीसीन लिए और इंजेक्शन लगवाया तो इसी तरह ठीक तीन माह तक उसको गृहभेट देकर और बराबर दवा खाकर मंटी ठीक हो गई मैं बता नहीं सकती कि उसके ठीक होने से मुझे और मेरी नर्स दीदी को कितनी खुशी मिली शायद मेरे द्वारा की गई कोशिश से किसी के जीवन की रोशनी फिर से चमक उठी इससे ज्यादा मेरे लिए खुशी की बात क्या हो सकती है। मेरी यही कोशिश हमेशा से रहेगी कि मैं कुछ समय निकालकर दूसरों की मदद करू ।

पंच बंसीलाल

यह कहानी है बैहर विकासखण्ड कि जो बैहर से लगभग २० किमी० की दूरी पर करवाही ग्राम पंचायत के बैगाटोला की है । यह गॉव पूरी तरह से आदिवासी ग्राम है एवं यहां कि जनसंख्या लगभग एक हजार है तथा गॉव के मुख्य रूप से रोजगार का साधन महुआ, गुल्ली, लकड़ी बेचना व खेती करना है। गॉव में ऑगनबाड़ी के द्वारा काफी प्रयास किए गए है। बात है लगभग ४ साल पहले कि जब यहॉ ऑगनबाड़ी भी नहीं थी तथा आदिवासी होने के कारण टिकाकरण एवं अन्य स्वास्थ सुविधाऍ नहीं ली जाती थी स्वास्थ्य कार्यकर्ता से सभी लोगों में डर कि भावना बनी थी तथा लोगों में यह सोच थी कि टीका लगाने से बच्चों को कोई फायदा नहीं होता तथा गर्भवती महिला तो सामने ही नहीं आती थी उन्हें उनके बुजुर्गो द्वारा बाहर के व्यक्ति आने पर अन्दर ही रहने को कहते थे । जब टीकाकरण हेतू स्वास्थ्य कार्यकर्ता जाते थे तब सभी के घर के दरवाजे बन्द कर दिए जाते थे । स्वास्थ कार्यकर्ता के प्रयास के चलते वे जब असफल रहे तो वे भी ध्यान देना धीरे-धीरे बन्द कर दिए । परन्तु उसके बाद वहॉ स्थाननतरण होकर आई स्वास्थ कार्यकर्ता एम. रंगारे ने लगातार प्रयास किया लेकिन उन्हें भी कोई खास सफलता नहीं मिली तब वह वहॉ के वार्ड पंच श्री बन्सीलाल तिलगाम से टीकाकरण के महत्व को बताया वह उनसे लगातार मिलते रहने पर उन्हें स्वास्थ व पोषण विषय कि समझ बनाई । तब वे कुछ दिनों बाद वह स्वास्थ कार्यकर्ता के साथ लगातार गृहभेट के माध्यम से एंव एक-एक घर के मुखिया को बुलाकर उन्हें टीकाकरण एवं स्वास्थ व पोषण के विषय को समझाने का कार्य शुरू किया तथा एक-एक घर में जाकर टीकाकरण स्वास्थ कार्यकर्ता के साथ करवाया तब गॉव के लगभग १० परिवार लगवाने तैयार हुए । फिर उन १० परिवार के साि में लोगों से मिलकर गॉव के लोगों को छोटी-छोटी बैठकों में माध्यम से लोगों को समझाया जाता था। पंच के माध्यम से भी लोगों को समझाया जाता था क्योंकि पंच को भी काफी ज्ञान हो गया था । इस प्रकार लगातार लगभग दो साल के प्रयास के बाद लोगों ने टिकाकरण करवाना शुरू किया । तथा लगभग दो साल बाद वहॉ ऑगनबाड़ी खुलवाया गया तथा ऑगनबाड़ी के माध्यक से उन्हें एक ही छत के नीचे सारी व्यवस्था सुनिश्चित करवाई ।

अब आज देखें तो पंच एवं स्वास्थ कार्यकर्ता के प्रयास के चलते ग्राम बैगाटोला के लगभग ९८ प्रतिशत टीकाकरण एवं गर्भवती महिला ऑगनबाड़ी आकर अपनी सेवाऍ लेती है तथा पंच के प्रयास के चलते इस ग्राम में रोजगार हेतू प्रयास के चलते रोजगार गारंटी योजना के तहत ग्रामवासी को लगातार रोजगार भी मिलना प्रारंभ हुआ, तथा लोगों की स्थिति को सुधार देखने मिल रहा है।

हेमन्त, पंचायत समन्वयक, सी.डी.सी. बालाघाट

केस – अध्ययन

लालबर्रा विकास खण्ड से लगभग १५ कि.मी. की दूरी पर स्थित टेकाड़ी ग्राम पंचायत नवेगॉव स्थित है । यह ग्राम पूरी तरह से आदिवासी बाहुल्य ग्राम है तथा जनसख्या लगभग १८० है । इस ग्राम में कच्ची सड़क की व्यवस्था है तथा यह ग्राम चॉरों पहाडियों से घिरा हुआ है एवं यहां की स्वास्थ व शिक्षा की स्थिति काफी दयनीय है एवं लोगों के रोजगार के लिए वन सम्पदा पर ही आधारित रहना पड़ता है ।

इस गॉव की स्थिति को देखे तो जब कार्यकर्ता द्वारा भ्रमण किया गया तो स्वच्छता व पोषण स्तर काफी कमजोर भी तथा बच्चों की स्थिति भी काफी गंभीर थी उन्हें खुजली व गन्दापन, कपड़े न पहनाना, अनेक प्रकार की गंभीरता जनक विषय सामने आये । लोगों से बाते करने पर पता चला की परिवार के सदस्य जगंल जाने के कारण उनकी देख-रेख नहीं हो पाती । आगनबाड़ी के बारे में चर्चा की तो पता चला की बच्चे केन्द्र नहीं जाते व पोषण आहार भी सही ढंग से नहीं मिल पाता, एवं इस गॉव से कुपोषण की स्थिति भी काफी पाई गई । कार्यकर्ता की समझ कम होने के कारण व्यवस्था सुचारू रूप से नहीं चल पा रही है । इसमें मुख्य मुद्दा लेकर लोगों से बात की गई है एवं लोगों को स्वास्थ व पोषण की जानकारी भी दी जा रही है जिसमें उन्हें नुक्कड़ नाटक, बैठके, ऑगनबाड़ी लाकर इस ग्राम के गतियों को शसक्त कर पोषण व स्वास्थ विषय में संवेदनशील बनाने की कोशिश संस्था कार्यकर्ता द्वारा की जा रही है ।

सफल - कहानी

दिनांक :- २०/०५/२००८

स्वास्थ व पोषण के स्तर को अच्छी स्थिति में लाने के लिए लालबर्रा विकास खण्ड के १० पंचायतों का चयन किया गया । जिसने उन्ही पंचायतों के एक पंचायत वहियाटिकुर के मरेरा ग्राम की कहानी है । यह ग्राम जो लालबर्रा विकासखण्ड से लगभग १० कि.मी. की दूरी पर बसा है तथा इस ग्राम की भौगोलिक स्थिति देखे तो यह मुख्य सड़क वारासिवनी से जुड़ा है तथा इस पंचायत में मुख्य रूप से पंवार व मरार जाती के लोग निवास करते है जिनकी जनसंख्या लगभग ७८० है । यह कहानी हैं एक गरीब परिवार की जो मुख्य रूप से अगरबत्ती व खेती से अपना जीवन यापन करता है इस परिवार में कुल ०६ सदस्य है । वहां उस परिवार में आगनबाड़ी कार्यकर्ता के साथ स्वयं सेवी संस्था (सी.डी.सी.) के कार्यकर्ता द्वारा गृहभेट की गई जिसमें बच्चे का वजन कम होने के कारण वह कुपोषण के ग्रेड-तीन में आ रहा था उसका नाम महेश /प्रमिला जिसकी उम्र ४ वर्ष व उसका वजन ९.५०० कि.ग्रा. पाया गया । तब हमारे द्वारा स्वास्थ समझाईश एवं उन्परी आहार की गुणवत्ता जिसमें तेल, घी, का प्रयोग करने की सलाह की गई तथा बच्चा आंगनबाड़ी न जाने के कारण उसे पोष्टिक आहार भी नहीं मिल पा रहा था । तथा उसे आंगनबाड़ी जाकर पोष्टिक आहार लेने से उसके वजन में बढोततरी होगी दूसरी सलाह दी गई । उसी ग्राम में लगभग २० दिन बाद भ्रमण के दौरान उस परिवार से मिलकर महेश /प्रमिला की जानकारी ली तो पता चला की वह आगनबाड़ी गया है । जब परिवार से जानकारी ली तो बताया की बच्चा पहले की अपेक्षा ज्यादा खाता है व तेल के लगातार प्रयोग से उसकी भूख-बढ़ी और व उसका वजन आज की स्थिति में उसका वजन १०.७०० कि.ग्रा. है और वह कुपोषण के ग्रेड एक में आ गया और प्रयास के चलते वह सामान्य की स्थिति में भी आ जाएगा तथा उसकी आगनबाड़ी में भी उपस्थिति सुनिश्चित हुई ।

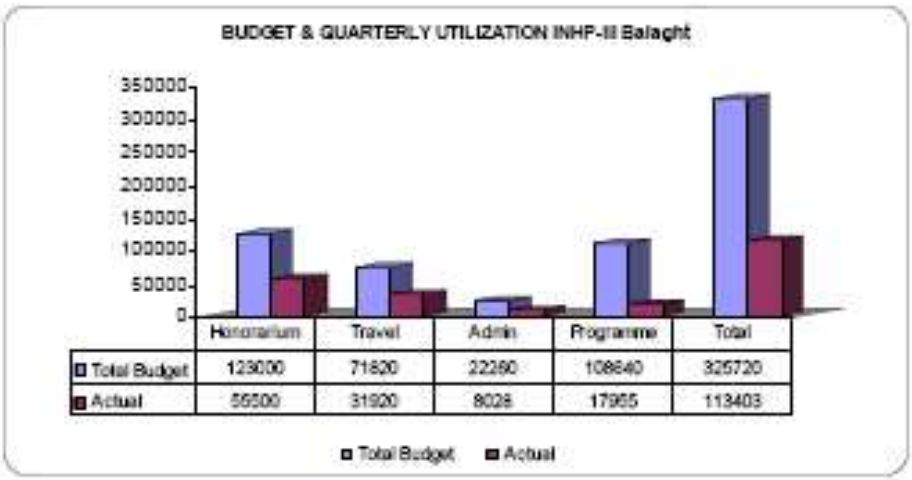

	Honorarium	Travel	Admin	Programme	Total
Total Budget	123000	71820	22260	108640	325720
Actual	59500	31920	8028	17955	113403

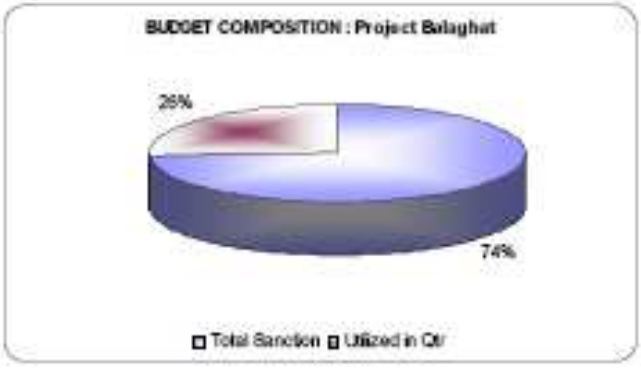

विविध

केयर की त्रैमासिक समीक्षा एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम

केयर मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश की आई. एन.एच.पी. परियोजना की टीम के साथ विगत मई में चार दिवसीय समीक्षा कार्यक्रम का आयोजन नैनीताल में किया गया। बालाघाट और सिवनी के केयर कार्यक्रम अधिकारियों के साथ संस्था के निदेशक ने भी इस कार्यक्रम में भागीदारी की, जिसमें मध्यप्रदेश की ओर से परियोजना के कार्यक्रमों और परिणामों पर एक प्रस्तुतिकरण किया गया जिसे प्रथम पुरूस्कार भी प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम में प्रतिभागिता से उत्तरप्रदेश में परियोजना के तहत की जा रहे प्रयासों को जानने और समझने का अवसर प्राप्त हुआ। साथ ही हमारे प्रयासों को बेहतर तरीके से उत्तरप्रदेश के समूह ने भी समझा। कार्यक्रम का संचालन श्री बंसता कर कार्यक्रम निदेशक और सुश्री प्रतिभा शर्मा कार्यक्रम प्रबंधक केयर मध्यप्रदेश द्वारा किया गया।

चुनौतियॉं, अवसर और अपेक्षाएं

- संस्था के लिए परियोजना के कियांवयन रणनीति में होने वाले परिवर्तनों से तालमेल बनाने में समय लगता है मुख्यतः स्टॉफ को ढूंढना और गुणवत्ता के अनुरूप कार्य करवा लेना चुनौती रही है संस्था ने इस तरह की चुनौतियों को स्वीकार करते हुए ससमय स्टॉफ उपलब्ध कराये और परियोजना का कियांवयन सुनिश्चित किया है।

- संस्था द्वारा केयर को उपलब्ध कराये जाने वाले त्रैमासिक प्रतिवेदनों पर प्रतिभाव तो प्राप्त होते रहते हैं जो कि उत्साह वर्धन करते हैं और बेहतर होता यदि लिखित रूप में राज्य या राष्ट्रीय स्तर से लिखित रूप में कोई पत्र प्राप्त होता, इस तरह के पत्र संस्था की निधि के रूप में देखी जाती है।

- संस्था की अपेक्षा रही है कि केयर को अन्य राज्यों में दिये जाने वाले त्रैमासिक प्रतिवेदन देखने का अवसर मिलता पर यह संभव नहीं हो पाया।

NHD -OBSERVATION															
S.N.	NHD OBSERVATION	Phase out block 08										Phase out Block 07			
		BALAGHAT			BAIHAR			LANJI				Othar			Total
		Apr.	May	June	Apr.	May	June	Apr.	May	June	T0tal	Apr.	May	June	
1	NO OF NHD OBSERVE	4	7	8	5	7	5	5	5	6	48	3	15	10	28
2	CONDUCT ON SCHDULE/	4	6	8	4	4	5	5	3	4	43	3	12	9	24
3	THR DITRIBUTION /Spot Feeding	4	6	8	4	4	5	5	3	4	43	3	12	9	24
4	present asha/other worker	3	7	7	5	4	5	5	5	5	46	3	14	7	24
5	PRI present on that time	2	5	6	3	6	3	2	4	5	36	2	10	7	19
6	CBO/comm-member present	2	3	3	3	5	4	2	4	4	30	3	7	5	15
7	AWW/ANM used list	4	6	6	4	7	4	4	4	6	45	3	6	5	14
8	USEof count foil														
9	CARD issue for new benifises	4	6	8	3	7	5	2	4	6	45	1	13	10	24
10	Cheking record by anm														
11	Avalibility of register	4	7	8	5	7	5	5	5	6	52	3	14	10	27
12	Avalibility of AD syring	4	7	8	5	7	5	5	5	6	52	3	15	10	28
	HEALTH SERVICES														
13	Health check up	3	6	8	3	5	4	4	5	6	44	2	14	10	26
14	BP	2	5	7	4	6	5	4	5	5	43	3	12	8	23
15	TT vaccine	3	6	8	5	6	5	4	4	6	47	3	14	9	26
16	IFA	2	6	8	5	7	5	4	5	6	48	2	14	10	26
17	ped IFA														
18	Weighting	3	6	8	4	5	5	5	5	5	46	3	14	10	27
19	Vitamin A	3	5	7	4	5	5	4	3	5	41	2	12	8	22
20	COUNSLING/health sesson	2	4	5	2	4	4	3	3	4	31	2	10	5	17
21	BCG	4	6	7	5	7	5	5	4	6	49	3	13	10	26
22	DPT	4	6	8	5	6	4	4	5	6	48	3	13	10	26
23	OPV														
24	MEASELS	4	6	8	5	6	4	4	5	6	48	3	14	10	27
25	Not avail of vaccine	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
26	Correct site immu	2	5	7	4	6	5	5	5	5	44	3	13	10	26
27	Leave beni-without receive service														
28	NO- AWC Droup out Follow-up														
	NHD not done on the day	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0

COMMUNITY DEVELOPMENT CENTRE [CDC]

SOW for Project Coordinator		District					Balaghat		
S.N.	Particulars	Work days in a Month	April	May	June	July	Aug	Sept.	Total
A	**Village Level Activities**								
1	Supportively supervise the BC in identification of weaker section of AWC / Balsanjivni	3		5	2				7
2	Facilitate Joint field visit of ICDS/Health	2		2	1				3
B	**Sector level activites**								
1	Monitoring of joint sector meetings and ongoing capacity building of AWWs facilitated by BCs [Priorities weaker sectors]	3		3	4				7
2	Joint Anganwadi Centre visits [CARE DT/Govt. conterparts/Block Coordinators] preferably on NHDs/Gram Sabhas/Panchayat meetings]	2		4	2				6
C	**Block level activities**								
1	Provide support to BCs to conduct the Gram Sachiv and Sarpanch meeting at block level to finalize the dates for Gram Sabhas	1		1	1				2
2	Provide support to BCs to conduct the block level monthly meeting of ICDS/Health also monitor his/her effeciency to conduct effective meetings.	1		1	4				5
3	Participation in BLAC [Ensure meeting held as per the prescribed agenda]	4		1	2				3
D									
1	Prepration for the District monthly meeting	1		1	3				4
2	Participation in district level monthly meeting with CARE DT [planning for next month]	1		1	1				2
E	**Documentation & Reporting**								
1	Analysis of Behaviors trend, field findings, documentation of success stories.	Days are not fixed, these are mendatory task - Approx. 4 days		1	1				2
2	Provide feed backs of BCs SOW [Planning VS Achievement]			1	1				2
3	Process Documentation			1	1				2
4	Preparation of MPR, MFR and Periodic reports			3	1				4

Poor or No performance

Average

Satisfactory

Completed

COMMUNITY DEVELOPMENT CENTRE [CDC]

SOW for Block Coordinator		District					Balaghat		
S.N.	Particulars	Work days in a Month	April	May	June	July	Aug	Sept.	Total
A	**Village Level Activities**								
1	Anganwadi centre visits to review the status of home visit, records, [Visits to be prioritized in the AWCs of weaker sectors]	3		22	12	0	0	0	34
2	Facilitate Home visits	AWC visits		9	16	0	0	0	25
3	Participation in NHD and ensure the quality, involve the PRI & MSS	4		12	11	0	0	0	23
4	Organize the meetings of MSS & Feeding demonstration	3		6	9	0	0	0	15
B	**Sector level activites [Review & Planning]**								
1	Monitoring of joint sector meetings and ongoing capacity building of AWWs facilitated by BCs [Priorities weaker sectors]	4		11	10	0	0	0	21
2	Joint AWC visits [ICDS & Health Supervisors]	2		4	5	0	0	0	9
C	**Block Level Activities**								
1	Participation in Gram Sachiv and Sarpanch meeting at block level to finalize the dates for Gram Sabhas [ensuring their involvement in weaker AWCs] Identification /meeting with government institutions, organizations, like SHG federation for networking and alliance building]	1		2	3	0	0	0	5
2	Participation in block level monthly meeting of ICDS & Health [Sharing of field findings and discussion on the status of services]	1		3	6	0	0	0	9
3	Participation in BLAC [Ensure meeting held as per the prescribed agenda]	1		2	3	0	0	0	5
D	**District Level Activities**								
1	Preparation for monthly meeting presentation.	1		3	7	0	0	0	10
2	Participation in the district level monthly meeting with CARE PO [planning for next month]	1		3	3	0	0	0	6

Poor or No performance

Average

Satisfactory

Completed

COMMUNITY DEVELOPMENT CENTRE [CDC]

SOW for PRI Coordinator		District					Balaghat		
S.N.	Particulars	Work days in a Month	April	May	June	July	Aug	Sept.	Total
A	**Village Level Activities**								
1	Baseline survey and Social map through PRA and grading - 10 Panchayat	1		2	1				3
2	Organizing ward Sabha	4		5	4				9
3	Meeting with VWSC,VHC,MSS	6		4	6				
4	Meeting with key stakeholders [AWW,ANM,ASHA, School teacher & SHG]	6 to be done during AWC visit		5	4				9
5	Involvement in N&H day	4		3	4				7
6	Critical home visits - Involvement of ASHA, AWW and PRI	2		1	2				3
7	Participation in monthly Panchayat meeting at village level	1		4	1				5
8	Participation in Block level meeting - CEO meeting	1		1	1				
9	Participate preparatory meeting	1		1	1				2
10	Participation in district level monthly meeting with CARE PO [planning for next month]	1		1	1				2
11	Process documentation Success stories, good practices, case studies etc.	1		1	3				4

Poor or No performance

Average

Satisfactory

Completed

COMMUNITY DEVELOPMENT CENTRE [CDC]

SOW for Advocacy Coordinator		District					Balaghat		
S.N.	Particulars	Work days in a Month	April	May	June	July	Aug	Sept.	Total
A	**Village Level Activities**								
1	Joint visits [ANM, AWW& ASHA] and conduct MSS meeting	6		8	4				
2	Participate in the Panchayat meeting and GS	4		0	3				
B	**Sector level activites [Review & Planning]**								
1	Monitoring of joint sector meetings and ongoing capacity building of AWWs facilitated by BCs [Priorities weaker sectors]	6		3	7				
C	**Block Level Activities**								
1	Meeting with CEO-JP and participate in the Gram Sachiv and Sarpanch meeting at block level and finalize the dates of Panchayat meeting and GS	1		4	1				
2	Participate in Block meeting [Health & ICDS]	1		3	2				
D	**District Level Activities**								
1	Coordinate with CEO ZP and advocate the key gapsd	1		1	3				
2	Participation in district level monthly meeting with CARE PO [Planning for next month]	1		2	1				
3	Process documentation - Success stories, good practices, case studies	1		2	2				

Poor or No performance

Average

Satisfactory

व्यवहारों की स्थिति

गर्भावस्था

माह	कुल हितग्राही		प्रसव योजना		गोद भराई		टी.टी.		टीकाकरण कार्ड		आयरन		आ.बा. का. गृहभेट
अप्रैल	65		40	61.54	54	83.08	62	95.38	57	87.69	50	76%	35
मई	80		45	56.25	65	81.25	76	95.00	71	88.75	65	81%	39
जून	125		75	60.00	105	84.00	118	94.04	112	89.06	110	88.00	57
योग	270		160	59.26	224	82.96	256	94.81	240	88.89	225	83.33	131

प्रसव से 1 माह

माह	कुल हितग्राही	अस्पताल में प्रसव		तुरंत स्तनपान		नवजात को गरम रखना		साफ नाल		वजन		आ.बा.का.गृहभेट	
अप्रैल	70	45	64.29	45	64.29	50	71.43	54	77.14	55	78.57	62	88.57
मई	65	40	61.54	40	61.54	43	66.15	52	80.00	50	76.92	57	87.69
जून	85	54	63.52	57	67.05	72	84.70	63	74.11	62	72.94	74	87.05
योग	220	139	63.18	142	64.54	165	75.00	169	76.81	167	75.91	193	87.73

4 से 5 माह

माह	कुल हितग्राही	सिर्फ स्तनपान		उम्र के अनुसार टीकाकरण	
अप्रैल	55	36	65.45	45	81.81
मई	75	50	66.66	57	76.00
जून	108	67	62.03	62	
योग	238	153	64.28	164	

6 से 8 माह

माह	कुल हितग्राही	ऊपरी आहार की शुरूआत		अन्न प्राशन		मात्रा गुणवत्ता बारम्बारता		तेल का प्रयोग		आ.बा.का.गृहभेट		ए.एन.एम. गृहभेट	
अप्रैल	55	45	81.82	46	83.64	34	61.82	32	58.18	40	72.73	30	54.55
मई	68	50	73.53	58	85.29	43	63.24	40	58.82	41	60.29	36	52.94
जून	108	80	74.07	85	78.70	65	60.18	60	55.55	72	66.66	55	50.92
योग	231	175	75.76	189	81.82	142	61.47	132	57.14	153	66.23	121	52.38

9 से 15 माह

माह	कुल हितग्राही	विधि प्रदर्शन		मात्रा गुणवत्ता बारम्बारता		तेल		खसरा		विटामिन 'ए'	
अप्रेल	60	22	36.66	35	58.33	38	63.33	52	86.66	49	81.66
मई	72	32	44.44	39	54.16	42	58.33	65	90.27	61	84.72
जून	120	55	45.83	62	51.66	71	59.16	105	87.05	102	85.00
योग	252	109	43.25	136	53.96	151	59.92	222	80.09	212	84.12

Community Development Centre

Community Development Centre